राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार,06सितम्बर2020 वर्ष-3, अंक -221 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

PPE किट को संक्रमण मुक्त करने के लिए वैज्ञानिकों ने विकसित किया उपकरण

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) को संक्रमण मुक्त करने का एक ऐसा उपकरण विकसित किया है जिसे कहीं भी ले जाया सकता है। इस उपकरण के इस्तेमाल से पीपीई को संक्रमण मुक्त कर कई बार प्रयोग में लाया जा सकता है। जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार उपकरण को 'हाइब्रिड स्टरलाइजेशन नामक नई तकनीक से विकसित किया गया है और इसका प्रयोग पीपीई का इस्तेमाल करने वाले कोविड योद्धाओं के अतिरिक्त अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी कर सकते हैं। पोर्टेबल ऑप्टिकल कैविटी स्टरलाइजेशन यूनिट नामक इस उपकरण को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) तिरुपति और भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) तिरुपति द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। कोरोना वायरस का संक्रमण हर दिन अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। शुक्रवार के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में लगभग हर मिनट में कोरोना के 58 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी के मुताबिक, कल 83,883 नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। सरकारी आंकड़ों पर अगर गौर करें तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि देश में कोरोना अपने पीक पर पहुंच चुका है। आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सात सितंबर से मेट्रो सर्विस फिर से शुरू होने वाली है। इससे पहले कोरोना के आंकड़े डराने वाले हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में इस वैश्विक महामारी से 1043 मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही देश में कोरोना से अब तक मरने वाले मरीजों की संख्या 67,376 हो गई है।

महाराष्ट्र में भूकंप से 3 बार कांपी धरती, रात में नासिक तो सुबह मुंबई में झटके

मुंबई। महाराष्ट्र में 12 घंटे के भीतर तीन बार धरती हिली है। महाराष्ट्र के नासिक में रात बारह बजे के करीब दो बार भूकंप के झटके के बाद एक बार फिर से मुंबई में भूकंप आया है। शनिवार की सुबह 6.36 बजे मुंबई से 98 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर में भूकंप आया है, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई है। इससे अधिक तीव्रता रात में नासिक में मापी गई थी। वहीं, इससे पहले रात में नासिक में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। शुक्रवार की राहत लगभग 11.41 पर महाराष्ट्र के नासिक में भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 आंकी गई। इसके साथ ही 5

● शनिवार की सुबह 6.36 बजे मुंबई से 98 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर में भूकंप आया है, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई है।

सितंबर को रात 12.05 पर 3.6 तीव्रता के भूकंप ने नासिक के लोगों को डरा दिया। हालांकि, इन तीनों भूकंप के झटकों में जानमाल के किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने दी। गौरतलब है कि पिछले महीने महाराष्ट्र के पालघर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता 2.8 मापी गई थी। हालांकि, उस भूकंप में भी किसी के हताहत होने या कोई नुकसान की खबर नहीं थी।

भूकंप आए तो क्या करें-भूकंप के दौरान मकान, दफ्तर या किसी भी इमारत में अगर आप मौजूद हैं तो वहां से बाहर निकलकर खुले में आ जाएं। इसके बाद खुले मैदान की ओर भागें।भूकंप के दौरान खुले मैदान से ज्यादा सुरक्षित जगह कोई नहीं होती। भूकंप आने की स्थिति में किसी बिल्डिंग के आसपास न खड़े हों। अगर आप ऐसी बिल्डिंग में हैं, जहां लिफ्ट हो तो लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। ऐसी स्थिति में सीढ़ियों का इस्तेमाल करना ही उचित होता है।

भूकंप के दौरान घर के दरवाजे और खिड़की को खुला रखें। इसके अलावा घर की सभी बिजली स्विच को ऑफ कर दें। अगर बिल्डिंग बहुत ऊंची हो और तुरंत उतर पाना मुमकिन न हो तो बिल्डिंग में मौजूद किसी मेज, ऊंची चौकी या बेड के नीचे छिप जाएं। भूकंप के दौरान लोगों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वो पैनिक न करें और किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं, ऐसे में स्थिति और बुरी हो सकती है।

कोरोना इलाज के लिए दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती हर चौथा मरीज दूसरे राज्य का निवासी

नई दिल्ली। एक बार संक्रमण पर काबू पा चुकी राजधानी दिल्ली में फिर से कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी है. यहां पिछले 24 घंटे में 2914 नए मामले सामने आए जो पिछले 68 दिनों में सबसे अधिक हैं. एक समय पर कोरोना के आकड़े दिल्ली में करीब 1000 रोजाना के स्तर पर आ गए थे. कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच अब कुछ समय से खाली दिल्ली के अस्पतालों के बेड दोबारा भरने लगे हैं.

दिल्ली के अस्तालों में भर्ती 60 प्रतिशत मरीज दूसरे राज्यों से

लेकिन इसमें गौर करनेवाली बात यह है दिल्ली के प्राइवेट अस्पतालों में कोविड की वजह से भर्ती होने वाले अधिकतर मरीज दिल्ली के नहीं बल्कि दूसरे राज्यों के हैं. देश की राजधानी दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती एक तिहाई यानी 60 फीसदी मरीज उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों से हैं.

14 हजार बेड में से 30 प्रतिशत बेड पर कोरोना पेशेंट का हो रहा इलाज

10 अगस्त से 28 अगस्त के बीच दिल्ली में भर्ती होने वाले कुल मरीजों में से बाहर के मरीजों का औसत 40 फीसदी तक पाया गया. कोई भी दिन ऐसा नहीं रहा जहां दूसरे राज्यों के मरीजों का औसत 25 प्रतिशत से कम रहा हो. दिल्ली के अस्पतालों में मौजूद 14,000 बेड्स में से लगभग 30 प्रतिशत पर मरीज भर्ती हैं. इनमें से भी लगभग 30 प्रतिशत मरीज दूसरे राज्यों के हैं।

बीते 25 दिनों में बढ़े 36 फीसदी मरीज बीते 25 दिनों में निजी अस्पतालों में 36 फीसदी कोविड मरीज बढ़े हैं. आंकड़ों के अनुसार एम्स ट्रॉमा सेंटर में कुल 14 मरीज एडमिट हुए, इमसें से 9 मरीज यूपी से, 4 मरीज हरियाणा और एक मरीज बिहार से है. वहीं एम्स के झज्जर सेंटर में कुल 16 मरीज एडिट हुए. इसमें से 5 मरीज यूपी और 10 मरीज हरियाणा से थे.

किस प्राइवेट अस्पताल में कितने अन्य राज्यों के मरीज-

1. साकेत स्थित मैक्स हॉस्पिटल में कुल 175 कोरोना मरीज भर्ती हुए. इसमें सिर्फ 80 मरीज दिल्ली के निवासी थे, जबकि अन्य 95 मरीज दूसरे राज्यों के थे.

2. अपोलो हॉस्पिटल में कुल 158 कोरोना मरीज भर्ती हुए. इसमें से सिर्फ 47 मरीज दिल्ली के निवासी हैं, जबकि 111 मरीज दूसरे राज्यों से हैं.

3. पटपड़गंज स्थित मैक्स हॉस्पिटल में कोरोना के कुल 134 मरीज भर्ती हुए थे, इसमें सिर्फ 73 दिल्ली के निवासी हैं, जबकि 61 मरीज दूसरे राज्यों से हैं.

4. सर गंगाराम हॉस्पिटल में कुल 100 कोरोना मरीज एडमिट हुए थे. इसमें से सिर्फ 44 दिल्ली के निवासी थे, जबकि 56 अन्य राज्यों के निवासी थे.

5. बीएल कपूर हॉस्पिटल में कुल 98 कोरोना मरीज एडमिट हुए थे. इसमें से 47 मरीज दिल्ली के रहने वाले हैं. जबकि 51 अन्य राज्यों से हैं.

भरते जा रहे हैं आईसीयू बेड

मैक्स अस्पताल के डॉक्टर किशोर ने कहा कि अस्पताल में भर्ती 80 फीसदी से ज्यादा मरीज अन्य राज्यों से हैं. डॉ किशोर ने कहा कि मरीजों की बढ़ने से अब आईसीयू बेड भी भरते जा रहे हैं. आईसीयू में भी अधिकतर मरीज उत्तर प्रदेश, हरियाणा और बिहार से हैं।

इन अस्पतालों में नहीं मिलेंगे वेंटिलेटर और आईसीयू बेड-कोरोना के इलाज के लिए दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती होने वाला हर चौथा मरीज दिल्ली के बाहर का है ऐसे में दिल्ली के प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर भी अब खाली नहीं हैं. जानकारी के अनुसार मैक्स पटपड़गंज, फोर्टिस शालीमार बाग, अपोलो हॉस्पिटल, BL कपूर हॉस्पिटल, वेंकटेश्वर में ICU बेड्स पूरे भर चुके हैं. जबकि मैक्स साकेत और मैक्स पटपड़गंज, बत्रा हॉस्पिटल, फॉर्टिस वसंत कुंज और बीएल कपूर हॉस्पिटल जैसे अस्पतालों में वेंटिलेटर खाली नहीं हैं।

प्राइवेट अस्पतालों के 911 आईसीयू बेड में से अभी 361 खाली

आंकड़ों के अनुसार, निजी अस्पतालों के 57.9 फीसदी वेंटिलेटर अब तक भर चुके हैं. वहीं अस्पतालों की द्रुष्ट वार्ड में 50 फीसदी दूसरे राज्यों के मरीज भर्ती हैं. हालांकि, दिल्ली में कुल 911 आईसीयू बेड में से अभी 361 खाली हैं और 1205 वेंटिलेटर युक्त ICU में से 643 खाली हैं. दिल्ली में दिल्ली सरकार के अस्पताल, केंद्र सरकार के अस्पताल और प्राइवेट अस्पताल को मिलाकर 14,151 बेड हैं, जिसमें से 4799 पर मरीज हैं, जबकि 9352 बेड खाली हैं।

राम मंदिर निर्माण-पितृ पक्ष के बाद शुरू होगा नींव का काम, 1200 स्थानों पर कुंए की तरह पाइलिंग कर बनेगी चट्टान

अयोध्या। पितृ पक्ष के बाद ही अब अयोध्या में राम मंदिर के आधार का निर्माण शुरु होगा। रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के मंदिर निर्माण के लिए नींव डालने से पहले मानचित्र में दर्शाए गये आच्छादित क्षेत्रफल जो कि करीब 13 हजार वर्ग मी.है, के सौ फिट नीचे तक 12 सौ स्थानों पर कुंए की तरह पाइलिंग कर चट्टान की आधार शिला तैयार की जाएगी। पुनः इसके ऊपर निर्धारित ड्राइंग के अनुसार नींव खड़ी जाएगी। फिर मूल मंदिर के धरातल का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य को शुरु करने के लिए कार्यदाई संस्था एलएण्डटी ने विशेष प्रकार के मशीनों को पहले ही मुम्बई से मंगा लिया है। कुछ अभी हैदराबाद, आंध्र प्रदेश से आनी है। फिलहाल कार्य आरम्भ करने के लिए पितृ पक्ष के खत्म होने का इंतजार किया जा रहा है।

चातुर्मास खत्म कर अयोध्या पहुंचे शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती चातुर्मास की समाप्ति के उपरांत शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम जन्मभूमि में विराजमान रामलला का दर्शन- पूजन किया। इससे पहले उन्होंने कारसेवकपुरम में जाकर ट्रस्ट महासचिव चंपत राय से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर उनके साथ आए कई शिष्यों ने राम मंदिर निर्माण के लिए अलग-अलग चेक के माध्यम से अपनी सहयोग राशि भेंट की। कुल राशि की जानकारी नहीं दी गयी। बताया गया कि चातुर्मास के संकल्प के कारण शंकराचार्य पांच अगस्त को भूमि पूजन में शामिल नहीं हो सके थे। इसके कारण वह अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद यहां आए। उन्होंने राम मंदिर का मानचित्र स्वीकृत हो जाने पर बधाई देते हुए कहा कि रामलला का कार्य एक-एक कदम आगे बढ़ रहा है और वह समय भी आएगा जब रामभक्तों का सपना साकार हो जाएगा।

टीचर्स डे पर पीएम मोदी ने जताया आभार, कहा- हमारे हीरो हैं शिक्षक

पीएम नरेंद्र मोदी ने टीचर्स डे के अवसर पर शिक्षकों के योगदान को याद किया और उन्हें देश के निर्माण की नींव तैयार करने वाला बताया. प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक दिवस के अवसर पर हम अपने शिक्षकों के शानदार काम के लिए उनके प्रति आभार जताते हैं।

नई दिल्ली। टीचर्स डे के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों को शुभकामनाएं दी हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से हमारा जुड़ाव गहरा करने के लिए हमारे ज्ञानवान शिक्षकों से बेहतर कौन है. हाल ही में मन की बात कार्यक्रम के दौरान, मैंने छात्रों को महान स्वतंत्रता संघर्ष के पहलुओं के बारे में छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को लेकर अपनी बात साझा की थी. हमारे शिक्षक हमारे हीरो हैं. पीएम नरेंद्र मोदी ने टीचर्स डे के अवसर पर शिक्षकों के योगदान को याद किया और उन्हें देश के निर्माण की नींव तैयार करने वाला बताया. प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक दिवस के अवसर पर हम अपने शिक्षकों के शानदार काम के लिए उनके प्रति आभार जताते हैं.

पीएम ने ट्वीट किया, ' हम अपने परिश्रमी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ हैं. इस दिन शिक्षकों के बेहतरीन प्रयासों के प्रति हम आभार जताते हैं. हम डॉक्टर एस राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं।' वहीं कांग्रेस के पूर्व राहुल गांधी ने भी इस अवसर पर शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं. राहुल गांधी ने कहा कि संपूर्ण ब्रह्मांड उन लोगों के लिए एक शिक्षक है जो सीखने के इच्छुक हैं. हैप्पी टीचर डे.

शिक्षक दिवस पर नड्डा ने दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रोत्थान में शिक्षकों का योगदान सदैव देश का मार्गदर्शन करता रहेगा। उन्होंने ट्वीट किया, ''पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर मनाए जाने वाले 'शिक्षक दिवस' की सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। शिक्षा से ज्ञान एवं शिक्षक से मार्गदर्शन प्राप्त होता है। आपके द्वारा राष्ट्रोत्थान के लिए दी गई शिक्षाएं हमारा सदैव मार्गदर्शन करती रहेंगी।'' पांच सितम्बर को सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए तथा उनकी स्मृति में इस दिन को प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

चीनी सेना ने 5 भारतीयों को किया अगवा!

कांग्रेस विधायक ने किया दावा, PMO को ट्वीट कर की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर पिछले काफी समय से तनाव जारी है। इस बीच अरुणाचल प्रदेश से चीनी सैनिकों द्वारा पांच भारतीयों के कथिततौर पर अगवा किए जाने की खबर है। अरुणाचल प्रदेश के कांग्रेस विधायक निनॉन्ग एरिंग ने दावा किया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाके से पांच भारतीयों को कथित रूप से अगवा कर लिया है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना और भारतीय सेना के बीच तकरार जारी है। अरुणाचल प्रदेश से कांग्रेस विधायक निनॉन्ग एरिंग पीएमओ को टैग कर अपने ट्वीट में दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश के सुबनसिरी जिले के पांच लोगों का कथित तौर पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जरिए अगवा कर लिया गया है। उन्होंने यह भी लिखा कि कुछ महीने पहले भी इस तरह की घटना हुई थी। कांग्रेस विधायक ने भारत सरकार से कार्रवाई की मांग की है और चीन की सेना को जवाब देने की मांग की है। इन्होंने अपने ट्वीट में दो स्क्रीनशॉट भी लगाए हैं, जिसमें एक यूजर अपने भाई के अगवा होने की बात कह रहा है, वहीं दूसरे में पांचों के नाम हैं। बता दें कि चीन और भारत के सैनिकों के बीच गत 15 जून को हिंसक झड़प हुई थी जिसमें भारत के एक कर्नल सहित 20 सैनिक शहीद हो गये थे। चीन के भी बड़ी संख्या में सैनिक मारे गये थे हालांकि चीन ने कभी आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं किया। इसके बाद फिर से 29-30 अगस्त की रात चीनी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे भारतीय जवानों ने नाकाम कर दिया।

दहशत में जी रही दुनिया को इसी साल मिल सकती है राहत

रूस का कोरोना टीका Sputnik V कसौटी पर खरा उतरा

वाशिंगटन। रूस में कोरोना वैक्सीन के परीक्षण पूरे करने के पहले टीकाकरण को लेकर उठ रही आशंकाएं निर्मूल साबित होती दिख रही हैं। रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन पर्याप्त एंटीबॉडी के साथ प्रतिरोधी क्षमता पैदा करने में सफल रही है। इससे दुनिया में इसी साल टीकाकरण होने की संभावना प्रबल हो गई है। प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लैंसेट ने शुक्रवार को बताया कि अध्ययन में कोविड का यह टीका खरा पाया गया। टीके से उत्पन्न एंटीबॉडी वैसी ही है, जैसी कि कोविड-19 से इलाज के बाद स्वस्थ मरीजों में दिखती है। वायरस से लड़ने वाली टी सेल की प्रतिक्रिया भी उत्साहजनक रही है। दरअसल, रूस ने पहले दो चरणों के मानव परीक्षण पूरे करने के बाद 11 अगस्त को टीके के मानकों पर खरा उतरने और टीकाकरण शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि रूस के पहले दो चरणों के परीक्षणों का डब्ल्यूएचओ या किसी अन्य प्रतिष्ठित संस्था ने निरीक्षण नहीं किया। ऐसे में टीके पर दुनियाभर की वैज्ञानिक संस्थाओं ने संदेह जाहिर किया था। रूस का गामेलया रिसर्च इंस्टीट्यूट 40 हजार वालंटियर पर टीके के तीसरे चरण का परीक्षण भी कर रहा है। हालांकि, जोखिम वाले समूहों को पहले ही टीका दिया जा रहा है।

रूसी टीके पर पहली मुहर-लैंसेट की रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर रूसी टीके पर पहली मुहर है। लैंसेट ने पाया कि पहले दो चरण में टीका लेने वाले 76 वालंटियर में पर्याप्त एंटीबॉडी पैदा हुई और इसने कोविड-19 वायरस को बेअसर कर दिया। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रापिकल मेडिसिन के वैज्ञानिक ब्रेंडन रेन ने कहा कि यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन हमें तीसरे चरण के परीक्षण का इंतजार करना होगा। टीकाकरण में बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द जैसे मामूली दुष्प्रभाव नजर आए।

भारत के भी संपर्क में रूस-रूस अक्तूबर से बड़े पैमाने पर स्पूतनिक वी का टीकाकरण शुरू करेगा। 20 देशों (तुर्की, फिलीपींस आदि) से एक अरब खुराक का करार किया है और रूस उत्पादन को लेकर भारत के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संपर्क में है।

एक रुपये की सजा भर से खत्म नहीं होंगी प्रशांत भूषण की मुश्किलें

रद्द हो सकता है वकालत करने का लाइसेंस

नई दिल्ली। वकील प्रशांत भूषण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की तरफ से शुरू किए गए आपराधिक अवमानना केस के नतीजे अभी खत्म नहीं हुए हैं। अब उनके वकालत लाइसेंस के ऊपर गाज गिर सकती है। एक तरफ जहां सर्वोच्च अदालत ने प्रशांत भूषण को दोषी करार देने के बाद एक रुपये का जुर्माना लगाया, तो वहीं दूसरी तरफ इस फैसले के बाद अब उनके लाइसेंस को निलंबित किया जा सकता है। फैसले के पैराग्राफ 89 में यह कहा गया है कि 'एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) अगर चाहे वह नामांकन को निलंबित कर सकती है।' बार काउंसल ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए दिल्ली बार काउंसिल से कहा है कि वे प्रशांत भूषण के ट्वीट्स की जांच करें और

● बार काउंसिल ऑफ इंडिया नियम भी कोर्ट के प्रति एक वकील की आवश्यकता के लिए पेशेवर आचरण और शिष्टाचार निर्धारित करते हैं।

कानून के मुताबिक कार्रवाई करे। भूषण का दिल्ली बार काउंसिल में वकील के तौर पर नामांकन है। बार काउंसल ऑफ इंडिया की तरफ से जारी बयान में कहा गया, बार काउंसल ऑफ इंडिया की ये राय है कि प्रशांत भूषण की तरफ से किए गए ट्वीट्स और उनके दिए बयानों के विस्तृत अध्ययन और जांच की आवश्यकता है... बार काउंसिल ऑफ इंडिया की जनरल काउंसिल ने सर्वसम्मति से यह तय किया कि दिल्ली बार काउंसिल, जहां प्रशांत भूषण का वकील के तौर पर नामांकन है, वे मामले की जांच करें और कानून के मुताबिक जल्द से जल्द फैसले ले।' अधिवक्ता अधिनियम की धारा 24ए में यह प्रावधान है कि किसी व्यक्ति को संबंधित राज्य की बार काउंसिल के रोल पर एक अधिवक्ता के रूप में भर्ती नहीं किया जाएगा, यदि वह नैतिक अपराध से जुड़े अपराध का दोषी है। अधिनियम की धारा 35 यह कहती है कि यदि कोई अधिवक्ता पेशेवर या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है, तो ऐसे अधिवक्ता को सीमित अवधि के लिए अभ्यास से निलंबित किया जा सकता है या उनका लाइसेंस पूरी तरह से रद्द किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संसद में प्रश्नकाल

संसद में प्रश्नकाल को लेकर राजनीति न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक भी है। 14 सितंबर से शुरू हो रहे 18 दिवसीय मानसून सत्र के बारे में अभी तक जो फैसले हुए हैं, उनके अनुसार, संसद में प्रश्नों के लिखित जवाब ही पेश किए जाएंगे और अलग से सीधे प्रश्न पूछने की सुविधा नहीं रहेगी। इसके पीछे दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण, सत्र का फैसला जल्दी में किया गया है, अत- प्रश्न लेने और जवाब जुटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। दूसरा कारण, जब प्रश्नकाल होता है, तब संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों को बड़ी संख्या में उपस्थित रहना पड़ता है। ऐसी उपस्थिति से संसद में भीड़ की स्थिति बन जाती है और कोरोना के समय शायद ही कोई सांसद होगा, जो भीड़ के बीच जोखिम लेना चाहेगा। पहली नजर में संसद में किसी भीड़ को रोकने की कोशिश जायज ही कही जाएगी। यह सही है कि पहले प्रश्नकाल सहित शून्यकाल को लेकर भी संशय था, लेकिन विपक्ष का दबाव बढ़ने पर लिखित प्रश्नों व आधे घंटे के शून्यकाल की स्थिति आगामी दिनों में और साफ हो जाएगी। विपक्ष का दबाव बना हुआ है और संभव है, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति कुछ अन्य मांगों को भी मंजूर कर लें। किसी भी लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष के बीच सकारात्मक खींचतान होनी ही चाहिए। सरकार अगर किसी सुविधा या परंपरा से हटना चाहती है, तो यह विपक्ष की जिम्मेदारी है कि सजग होकर अपनी मांग रखे। इस बारे में सत्ता पक्ष का रवैया भी लचीला ही कहा जाएगा। अब प्रत्यक्ष या जुबानी प्रश्नकाल न होने पर शायद सिर्फ तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति ही शेष बताई जा रही है। कोरोना के समय में पूरी भीड़ जुटाकर संसद चलाना देश के सामने कोई अच्छा उदाहरण नहीं होगा। लोग भूले नहीं हैं, मार्च में जब संक्रमण बढ़ा था, लॉकडाउन की जरूरत पैदा होने लगी थी, तब भी संसद काम करने का जोखिम उठा रही थी। इसका कोई अच्छा संदेश नहीं गया था। अब जब संसद पहली बार चरम कोरोना काल में बैठेगी, तब उसे अपनी अनेक परंपराओं से समझौता करना पड़े, तो कोई आश्चर्य नहीं। सांसदों और संसद से जुड़े तमाम जनसेवकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। कोरोना से बचाव के उपायों को हर हाल में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ऐसे समय में, संसद का सत्र बुलाना ही अपने आप में साहस का काम है और उसमें सांसदों की सतर्क उपस्थिति किसी चुनौती से कम नहीं है। इस दिशा में पक्ष-विपक्ष को मिलकर नई परंपरा का आगाज करना होगा, ताकि देश के सामने फिजिकल डिस्टेंसिंग का आदर्श पेश हो सके। यह कम उपस्थिति, कम समय, कम संसाधन में अधिकतम परिणाम सुनिश्चित करने का दौर है, जिसमें सांसदों को खरा उतरना है। गौर करने की बात है, पिछले पांच साल में राज्यसभा में प्रश्नकाल का 60 प्रतिशत समय हंगामे में बर्बाद हुआ है। जो सांसद प्रश्नकाल के न होने को लेकर ज्यादा चिंतित हैं, उन्हें इस पर खुद विचार करना चाहिए। संसद की अच्छी परंपराओं को चालू रखना हर सांसद की जिम्मेदारी है। जब यह बात भी सबके संज्ञान में है कि संसद के इतिहास में प्रश्नकाल एकाधिक बार रद्द हो चुका है, तब तो अपनी मांग तार्किक ढंग से रखने की जरूरत और बढ़ जाती है। प्रश्नों के प्रति सबकी संवेदना जरूरी है और प्रश्न देश के किसी भी कोने से पूछे जा सकते हैं।

अमेरिका की तर्ज पर चीन से आर-पार का वक्त

पुष्परंजन

चूहे के बिल को जैसे बंद किया जाता है, ट्रंप प्रशासन ने चीनियों के विरुद्ध लगभग उसी अंदाज़ में नाकेबंदी की शुरुआत की है। विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने अब दो टूक कह दिया है कि चीन, अमेरिका के हर हिस्से में फैले कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट को साल समाप्त होने से पहले समेट ले। अप्रैल, 2017 तक अमेरिका में 103 कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट की शाखाएं देशभर में फैली थीं। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कॉलर्स (एनएएस) ने जानकारी दी है कि 26 अगस्त 2020 तक 67 कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट, चीनी भाषा और संस्कृति की दीक्षा अमेरिका में दे रहे हैं। 'एनएएस' के अनुसार, अमेरिकन कालेज और यूनिवर्सिटी में 58 कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट हैं, बाकी प्राइवेट संस्थाओं में चीनी अनुदान से यह सब कुछ चल रहा है। इससे अलग अमेरिका, चीन की उस कमज़ोर नस को दबा रहा है, जो तिब्बत और ताइवान की शक्ल में उसकी वन चाइना पॉलिसी का डंका पीटने का माध्यम बने हुए थे। चीन इससे बौखला चुका है। 9 अगस्त, 2020 को अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री अलेक्स अज़र तीन दिन के वास्ते ताइवान गये थे। यह 1979 के बाद पहली बार हाई लेवल विजिट थी। 1979 में ही अमेरिका ने 'ताइवान रिलेशन एक्ट' पास किया था। अमेरिका ने ताइवान के साथ-साथ तिब्बत का मोर्चा भी खोल दिया है। 'तिब्बत एक स्वतंत्र देश है', इस वास्ते संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव' में रिपब्लिकन सांसद स्कॉट पेरी ने 18 जून, 2020 को एक बिल पेश किया था। इस विधेयक के पास होने पर तिब्बत को स्वायत्त देश घोषित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति अधिकृत हो जाएंगे। पेन्सलवेनिया से रिपब्लिकन सांसद स्कॉट पेरी उससे पूर्व हांगकांग को भी चीन से मुक्त एक स्वतंत्र देश घोषित किये जाने संबंधी प्राइवेट मेंबर बिल सदन में पेश कर चुके हैं। 'हाउस कमेटी ऑन फॉरेन अफेयर्स' इन दोनों बिल की समीक्षा कर रही है। इसकी रिपोर्ट का इंतज़ार सबको है। प्रेसिडेंट ट्रंप प्रयास में हैं कि हाउस कमेटी की रिपोर्ट जल्द आये ताकि रिपब्लिकन पार्टी चुनाव में वोटरों को यह बता सके कि हम चीन को रगड़ रहे हैं। ताइवान, अमेरिका पर आयद पोर्क-बीफ प्रतिबंध को वापस ले रहा है। पोर्क-बीफ मीट को तैयार करने में मवेशियों को रेक्टोपैमिन दिया जाना एक बड़ा मुद्दा रहा है। यह मानव शरीर को नुकसान पहुंचाता है, इस वास्ते अमेरिकी बीफ व पोर्क का आयात ताइवान ने रोक रखा था। बल्कि 2016 के चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति त्साई इंगवेन ने मुद्दा बनाया था। अब इसमें ढील देकर अमेरिका के वास्ते दरवाज़े खोल दिये गये। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ताइवान का महत्वपूर्ण ट्रेडिंग पार्टनर है, इसलिए हमें कई नियम शिथिल करने होंगे। यों, ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंगवेन के इस फैसले से घरेलू राजनीति अशांत सी हो रही है। उन्होंने अपनी सफाई में कहा भी है कि ट्रंप चुनाव में अपनी छवि भुनाएंगे, उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं। 2019 में ताइवान-अमेरिका का व्यापार 85.5 अरब डॉलर का रहा है। ताइवान में सेमीकंडक्टर बिजनेस कंपनी 'टीएसएम' इस बात से उत्साहित है कि आरिजोना में 12 अरब डॉलर का चिप मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने में अमेरिका सहयोग कर रहा है। अमेरिका ताइवान से हेल्थ केयर सेक्टर, एनर्जी और मिल्ट्री हार्डवेयर के क्षेत्र में बिजनेस बढ़ाने के वास्ते जिस तरह के समझौते कर रहा है, उससे चीन की नींद उड़-सी गई है। कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट, चीनी शिक्षा मंत्रालय का अपरोक्ष अंग है, जिसे बाहरी दुनिया को दिखाने के वास्ते एनजीओ का रूप दिया गया है। इसका संचालन हानपान (चाइनीज़ लैंग्वेज कौंसिल इंटरनेशनल) करता है। अप्रैल, 2007 में चीनी पोलित ब्यूरो के सदस्य ली छांगचुन जब 'हानपान' आये, ऑन द रिकार्ड स्वीकार किया था कि कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट का उद्देश्य चीन के सांस्कृतिक वैभव को विस्तार देने के साथ प्रोपेगंडा की रणनीति को भी आगे बढ़ाना है। कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट की नीयत और तौर-तरीके को अमेरिकियों ने बड़ी तेज़ी से भांप लिया था। 25 सितंबर, 2014 को फंड की गड़बड़ी और गेस्ट टीचर्स की नियुक्तियों में कई स्कैंडलों के पर्दाफाश होने के बाद शिकागो यूनिवर्सिटी ने कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट की पीठ को बंद कर दिया था। उन दिनों कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट का विस्तार अमेरिका के सौ विश्वविद्यालयों तक हो चुका था। इसके विरुद्ध बाकायदा अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स ने प्रस्ताव पास किया था। दिसंबर, 2013 में ऐसी ही गड़बड़ियों के कारण कनाडियन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स ने कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर इसके कार्यक्रमों को रोका था। यूरोप, उत्तर अमेरिका, नेपाल तक जहां भी चीनी भाषा के विस्तार के वास्ते ये गये, नियमों की अवहेलना की। अमेरिका की सीनेट कमेटी की एक शाखा ने 2019 में कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट की कारगुज़ारियों पर एक रिपोर्ट पेश की है, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि यह संस्था भाषा ज्ञान की आड़ में जासूसी भी कराती है। चीन ने इस आरोप को ख़ारिज़ किया है। मगर, इसी तरह की शंका पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया ने भी माज़ी में व्यक्त की थी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथवेल्स कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट में ऐसी गतिविधियां सरकार के संज्ञान में आईं तो इस पर जांच बैठा दी गई। इस समय दुनियाभर में 568 कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट के क्लास रूम प्राइमरी और हाई स्कूलों में चलाये जा रहे हैं। इसमें विश्वविद्यालयों में चल रहे एडवांस कोर्स के कार्यक्रम शामिल नहीं हैं। अब सवाल यह है कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पुर्तगाल जैसे देशों को शक है कि मंदारिन सिखाने के नाम पर जासूसी का खेल हुआ है, तो भारत में क्या ये भजन गा रहे हैं? भारत सरकार देश भर में संचालित कन्फ्यूशियस इंस्टीच्यूट की समीक्षा भर कर रही है। इनमें प्रमुख हैं मुंबई यूनिवर्सिटी, वेल्लोर इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी सोनीपत, स्कूल ऑफ चाइनीज़ लैंग्वेज कोलकाता, भर्तिहार यूनिवर्सिटी कोयंबटूर, और केआर मंगलम यूनिवर्सिटी गुरुग्राम। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत, अमेरिका की तरह चीन की नींद क्यों नहीं उड़ा रहा है? जून में वीचैट, टिकटाक समेत 59 चाइनीज़ ऐप भारत ने बंद किये थे। अब पबजी और 117 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाकर हमने पेइचिंग को संदेश भर दिया है कि हम सुरक्षित नहीं तो तुम्हारे कारोबारी हित भी सुरक्षित नहीं हैं। मगर, सीधे टेंटुए पर हाथ रखने का काम जिस तरह से अमेरिका करने लगा है, वैसा करने से हम शरमा क्यों रहे हैं? भारत अपने किसी मंत्री के साथ बिजनेस डेलीगेशन ताइपे क्यों नहीं भेजता?

हम भारतीय संसद में ताइवान-तिब्बत की स्वायत्तता को लेकर विधेयक क्यों नहीं पास कर सकते, जैसा कि अमेरिका ने किया है। वन चाइना पालिसी को समर्थन देने की चूक जो हमने पहले की है, उसे सुधारा भी तो जा सकता है?

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नई दिल्ली संपादक हैं।

आज के ट्वीट

शुरुआत

रिया के भाई शौविक और सुशांत के मैनेजर मिरांडा को NCB ने गिरफ्तार किया.. ये शुरुआत हुई है... अब इन दोनों की तुड़ाई होगी और यही दोनों बहुत कुछ उगलने वाले हैं.. ये दोनों तो मात्र एक जरिया हैं उस कीचड़ में उतरने का... अब बॉलीवुड के बड़े बड़े नशेड़ियों के गिरेबां तक हाथ पहुंचेगा।

- अर्नब गोस्वामी

ज्ञान गंगा

जागरूकता

जग्गी वासुदेव/ अधिकतर लोग अपना सारा जीवन बस शरीर की मजबूरियां को पूरा करने में ही गुजार देते हैं- क्या खाना है, कहां सोना है, किसके साथ सोना है..ये सब सिर्फ शरीर की बाध्यताओं के बारे में सोचने की बात है। शरीर की मजबूरियां हैं, आप उन्हें नकार नहीं सकते पर अपने जीवन के इस आयाम के लिए आप अपना कितना समय, अपनी कितनी ऊर्जा लगाना चाहते हैं? मैं चाहता हूं कि आप इसे खुले मन से देखें। मेरी रु चि आप के जीवन के किसी भी भाग को बदसूरत या बेकार कहने में नहीं है, पर समस्या ये है, कि अपने जीवन के हर क्षण में, आप मृत्यु के निकट जा रहे हैं। जीवन एक सीमित समय है। इस कारण से इस प्रश्न पर विचार करना आवश्यक है, कि आप अपने जीवन का कितना समय, कितनी ऊर्जा अपनी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक बाध्यताओं को पूरा करने में लगाते हैं? यदि आप प्रकृति की मूल शक्तियों के साथ तालमेल में हुए बिना, अपने शरीर और मन की बाध्यताओं को कम करने का प्रयास करेंगे तो ऐसा लगेगा कि आप हर चीज का त्याग कर रहे हैं, बलिदान कर रहे हैं। ये संन्यास नहीं है। संन्यास का अर्थ ये है कि आप जागरूकता के साथ यह तय करते हैं कि आप अपनी शारीरिक बाध्यताओं में कम से कम समय लगाएंगे। ये बुद्धि के एक खास आयाम से होता है। ये त्याग नहीं है, न बलिदान है, न जीवन को छोड़ देना है। वास्तव में, संन्यास पूरी तरह से जीवन के पक्ष में है। क्योंकि आप उस जीवन के पक्ष में हैं, जो आप खुद हैं, न कि इस शरीर या मन के पक्ष में, जिन्हें आपने इकट्ठा किया है। आप कल संन्यासी नहीं बनने वाले और मैं आप को संन्यासी बनाना भी नहीं चाहता। महत्वपूर्ण बात है अपने जीवन को बेहतर बनाना। आप के चारों ओर जीवन के जो प्राकृतिक चक्र हैं, उनके साथ अपने जीवन को तालमेल में लाना अहम है। साथ ही जीवन को पृथ्वी के तालमेल में लाना, जिसने जीवन को वैसा बनाया है जैसे वह है, यह महत्त्वपूर्ण है। हमने आप को यौगिक क्रियायें इसलिए सिखायी हैं कि आप समभाव की एक खास अवस्था में आ जाएं, आप भीतरी तालमेल की एक खास अवस्था में रह सकें। यौगिक क्रियायें करने का लाभ ये होना चाहिए कि आप पानी, हवा, भोजन, अग्नि, गर्मजोशी और निश्चित रूप से जीवित ऊर्जा जैसे सभी तत्वों के साथ पूरी तरह से तालमेल रख सकें।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तबाही रोकने का स्थायी समाधान तलाशें

सर्वेश तिवारी

बारिश और बाढ़ ने पूर्व से पश्चिम तक तबाही मचा दी है। पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश के चलते राज्यों में हालात गंभीर हैं। गुजरात, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी तबाही की स्थिति है। प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का बस नहीं चलता और न ही उन्हें रोका जा सकता है लेकिन इन आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। देश में कई राज्य ऐसे हैं जहां थोड़ी बारिश में भी सब डूबने लगता है। पूर्वोत्तर राज्यों में जहां असम, बिहार पर कहर टूटता है वहीं महाराष्ट्र में मुंबई की बारिश निचले इलाकों के लिए परेशानी का सबब बन जाती है। यहां दादर, परेल और हिंदमाता जैसे कई इलाके मानसून की बारिश के साथ जलभराव की समस्या से जूझते नजर आते हैं। हैरत की बात ये है कि दिल्ली और मुंबई में सड़कों के डूबने की मुख्य वजह है जल निकासी का स्थाई समाधान नहीं करना। मुंबई की अगर पहले बात करें तो ये समझाना होगा कि मानसून भौगोलिक तौर पर महाराष्ट्र के तटवर्ती कोंकण इलाके में आता है। इस इलाके में महाराष्ट्र के दूसरे हिस्सों से हर साल ज्यादा बारिश होती है। मुंबई में हर साल औसत 2514 मिलीमीटर बारिश होती है। मुंबई अरब सागर के किनारे बसी है, इसलिये इसमें समंदर भी अपनी भूमिका निभाता है। वैसे तो समंदर में रोजाना ज्वार-भाटा आता है। लेकिन जब ज्वार यानी कि हाई टाइड साढ़े 4 मीटर से ऊपर की हो तो वो मुंबई के लिए मुसीबत का संकेत है। हाई टाइड की वजह से मुंबई की सड़कों पर जमा पानी समुद्र में नहीं जा पाता और उलटा समुद्र का पानी शहर में घुसता है। मुंबई के पवई और विहार तालाब से निकलती मीठी नदी के आसपास अतिक्रमण भी एक समस्या है। प्रदूषण और कचरे ने नदी की गहराई भी कम की है। भारी बारिश होने पर इस नदी में बाढ़ आ जाती है और पानी आसपास के एक बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लेता है। बावजूद इसके जल निकासी सिस्टम को दुरुस्त करने को किसी सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। हर साल बीएमसी बजट का करीब 3 फीसदी हिस्सा स्ट्रोम वाटर निकासी के लिये होता है। मुंबई मे 2000 किलोमीटर के करीब खुले नाले हैं, 440 किलोमीटर के ढके हुए नाले हैं और 186 आउटफॉल हैं, जहां से बारिश के कारण जमा हुआ पानी समंदर में गिरता है। 26 जुलाई, 2005 की बारिश के बाद ड्रेनेज सिस्टम का कायाकल्प करने के लिये ब्रिमस्टॉवेड नाम के प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई लेकिन आज भी इस प्रोजेक्ट का काम पूरा नहीं हुआ है। यही हाल राजधानी दिल्ली का है। आईटीओ के पास तेज बारिश मुसीबत बन जाती है। मिंटो ब्रिज में हमेशा कि तरह इस बरसात में भी बस फंस गई। एक टेंपो ड्राइवर की डूबने से मौत हो गई और पुल प्रह्लादपुर अंडरपास में पानी भर गया। सरकार कोई हो, समस्या खत्म करने के लिए बैठकें और योजनाएं तो बनती हैं लेकिन अमल कितना हो रहा है इस पर, किसी का ध्यान नहीं जाता। दुनिया के तमाम देशों में समस्या को समाधान में बदला गया है। इस्राइल में रेगिस्तान में मछलियां पालते हैं और गर्मी में आलू उगा रहे हैं। सिंगापुर ने अपने ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने के लिए करीब 30 वर्षों में करीब 9 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए। इसकी वजह से पूरे सिंगापुर में बाढ़ प्रभावित इलाके में करीब 98 फीसदी की कमी आई। नीदरलैंड ने 400 साल पहले ही ड्रेनेज सिस्टम बना लिया था। जापान ने टोक्यो के शोवा और कासकाबे, साइतामा के बीच दुनिया की सबसे

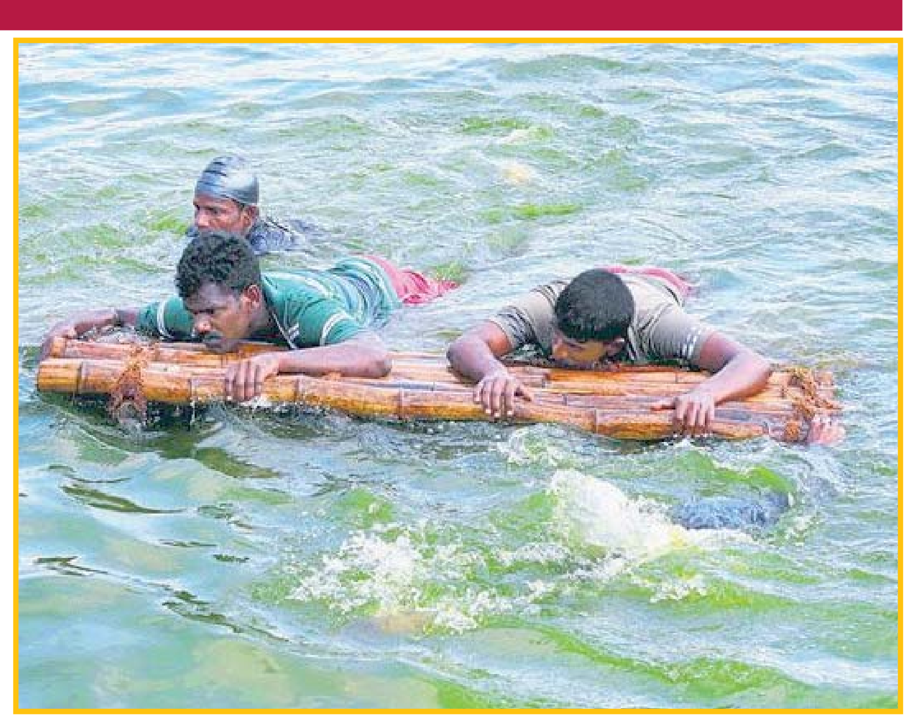

बड़ी अंडरग्राउंड फ्लड वाटर डाइवर्जन फैसिलिटी बनायी है। अमेरिका में यूएस आर्मी कोर ऑफ इंजीनियर्स बाढ़ नियंत्रण की प्रमुख एजेंसी है। कई बार भारत में भी इस दिशा में काम करने की बात हुई, हो भी रहा है लेकिन रफ्तार बढ़ाने की जरूरत है। लंदन में टेम्स नदी पर एक विशालकाय मैकेनिकल बैरियर बना हुआ है जो बाढ़ नियंत्रण में मदद करता है। ऐसा भारत में क्यों नहीं बन सकता। हर साल बाढ़ की मार झेलने वाले सूबों में फ्रांस की तरह जलाशयों का जाल क्यों नहीं बिछाया जा सकता? जिन-जिन देशों ने बाढ़ या बारिश को गंभीरता से नहीं लिया, उन्हें तबाही झेलनी पड़ी है। पाकिस्तान के कराची शहर में तो बारिश का पिछले 100 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। भारत में जनवरी, 1948 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की अपील पर जनता के अंशदान से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष की स्थापना की गई थी। इसका मकसद पाकिस्तान से विस्थापित लोगों की मदद था। लेकिन अब इस राहत कोष की धनराशि का ज्यादा इस्तेमाल बाढ़, चक्रवात और भूकंप आदि जैसी प्राकृतिक आपदाओं में मारे गए लोगों के परिजनों और दंगों के पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए किया जाता है। जाहिर है अगर बाढ़ या जल भराव की समस्या का स्थाई हल हो जाये तो हर साल इस मद में खर्च होने वाली रकम को बचाया जा सकता है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेसः आंध्र ने बरकरार रखी टॉप रैंकिंग, यूपी दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को राज्य व्यापार रिफॉर्म एक्शन प्लान 2019 रैंकिंग यानी ईज ऑफ डूइंग में राज्यों की रैंकिंग जारी की। भारत में कारोबारी माहौल को और बेहतर बनाने की दिशा में, बिजनेस सुधार के कार्यों की योजना को लागू करने के आधार पर राज्यों की रैंकिंग जारी की गई। इस दौरान केंद्रीय उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी शामिल रहे। राज्यों की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में टॉप पर आंध्र प्रदेश है। आखिरी बार यह रैंकिंग जुलाई 2018 में जारी की गई थी। तब भी शीर्ष पर आंध्र प्रदेश था। वहीं दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश और तीसरे पर तेलंगाना है। इससे पहले 2018 में दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमश- तेलंगाना और हरियाणा थे। डीपीआईआईटी अनुबंध का प्रवर्तन, दिवाला निपटान, कारोबार शुरू करना, संपत्ति का पंजीकरण, कर का भुगतान और सीमापार व्यापार जैसे मानकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए रैंकिंग जारी करता है। विश्व बैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग 2020 में भारत ने 2014 के 142वें रैंक के मुकाबले 63वें स्थान पर छलांग लगाई थी।

रूट मोबाइल का 600 करोड़ रुपए का आईपीओ तय, 9 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। रूट मोबाइल का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) नौ सितंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए प्रति शेयर कीमत दायरा 345 से 350 रुपये तय किया है। रूट मोबाइल, क्लाउड संचार सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि आईपीओ के तहत 240 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। जबकि कंपनी के प्रवर्तक वाई. संदीप कुमार और राजदीप कुमार अपनी हिस्सेदारी में से 360 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश करेंगे। आईपीओ 11 सितंबर को बंद होगा। आठ सितंबर को सिर्फ एंकर निवेशक निवेश कर सकेंगे। इससे जुटायी राशि का उपयोग कंपनी अपना कर्ज चुकाने और अन्य रणनीतिक पहलों में करेगी। इसके अलावा मुंबई में एक कार्यालय परिसर भी खरीदेगी। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने कंपनी के आईपीओ प्रस्ताव को दिसंबर 2019 में ही मंजूरी दे दी थी।

खरीफ बुवाई 1,095.38 लाख हेक्टेयर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचीः सरकार

नई दिल्ली। खरीफ फसलों की बुवाई चालू सत्र में अब तक 1,095.38 लाख हेक्टेयर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। अच्छी बारिश और फसलों के लिये बीज, उर्वरक तथा अन्य जरूरी सामान की समय पर उपलब्धता से यह संभव हो पाया है। कृषि मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा धान की बुवाई अभी भी जारी है जबकि दलहन, मोटे अनाज, बाजरा और तिलहन फसलों की बुवाई लगभग समाप्त हो चली है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि चालू खरीफ सत्र के बुवाई के आंकड़ों को दो अक्टूबर को अंतिम रूप दे दिया जायेगा। खरीफ बुवाई का पिछला रिकॉर्ड वर्ष 2016 में हासिल किया गया था जब किसानों ने कुल 1,075.71 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसल बोई थी। खरीफ की बुवाई जून से दक्षिण पश्चिम मानसून आने के साथ शुरु होती है और अक्टूबर से कटाई का काम शुरू होता है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, खरीफ की फसलें इस सत्र में अब तक 1,095.38 लाख हेक्टेयर के रिकॉर्ड क्षेत्र में बोई जा चुकी है, जबकि साल भर पहले बुवाई का रकबा 1,030.32 लाख हेक्टेयर था। इसमें कहा गया है कि अच्छी बारिश तथा बीज, कीटनाशक, उर्वरक, मशीनरी और ऋण जैसे जरूरी सामान का समय से पहले इंतजाम रखने के कारण महामारी की स्थिति के बावजूद भी खेती के रकबे के दायरे में वृद्धि संभव हुई है। आंकड़ों के अनुसार, खरीफ सत्र के दौरान धान बुवाई का कुल रकबा 8.27 प्रतिशत बढ़कर 396.18 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 365.92 लाख हेक्टेयर था। दलहनों की बुवाई का रकबा 4.67 प्रतिशत बढ़कर 136.79 लाख हेक्टेयर हो गया है जो पहले 130.68 लाख हेक्टेयर था, जबकि मोटे अनाजों का रकबा 1.77 प्रतिशत बढ़कर 179.36 लाख हेक्टेयर हो गया।

पबजी पर पाबंदी के बाद चीन की टेनसेंट को लगा बड़ा झटका, हुआ करोड़ों का घाटा

बिजनेस डेस्क।

सरकार ने हाल में ही सुरक्षा कारणों का हवाला देकर चीन के 118 मोबाइल ऐप्लिकेशन पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें बेहद लोकप्रिय ऑनलाइन गेम प्लेयरअननोन्स बैटलग्राउंड्स (पबजी) भी शामिल है। माना जा रहा है कि पबजी पर प्रतिबंध से चीन की दिग्गज तकनीकी कंपनी टेनसेंट होल्डिंग्स इंडिया की कमाई पर तगड़ी चोट पड़ सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की इस टेक कंपनी की मार्केट वैल्यू में करीब 34 अरब डॉलर (करीब 2,48,000 रुपए) की गिरावट आई है। टेनसेंट की मार्केट वैल्यू में इतनी बड़ी गिरावट भारत सरकार द्वारा समेत 118 ऐप्स बैन करने के एक दिन बाद आई है। सरकार ने के अलावा जैसे मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन सभी मोबाइल गेम का एसोसिएशन टेनसेंट से हैं। टेनसेंट पबजी गेमिंग ऐप के जरिए ही भारत से सबसे ज्यादा कमाई करती थी। हर रोज इस गेम को करीब 3 करोड़ एक्टिव यूजर्स मिलते थे। इस गेम के सबसे ज्यादा एक्टिव यूजर्स की मामले में भारत टॉप पर था।

यही कारण था कि टेन्सेन्ट भारत का सबसे ज्यादा कमाई करने वाला ऐप था। यही कारण था कि टेन्सेन्ट भारत का सबसे ज्यादा कमाई करने वाला ऐप था। भारत में इसे बैन किए जाने के बाद से ही टेनसेंट के स्टॉक्स में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। हॉन्गकॉन्ग एक्सचेंज पर कंपनी के शेयरों का भाव 545 डॉलर से घटकर 519 डॉलर पर आ गया है। हाल ही में कंपनी के एक और ऐप [illegible] पर अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखकर बैन करने का ऐलान किया गया था। इसके बाद भी टेनसेंट को भारी नुकसान हुआ था। भारत में गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से पबजी मोबाइल ऐप को हटा दिया गया है। हालांकि, यह गेम अभी भी उन यूजर्स के स्मार्टफोन में एक्टिव है, जिन्होंने पहले ही इसे इंस्टॉल कर लिया था।

गरीबों को सस्ते में मिलेगा किराए पर मकान, सरकार ने की यह व्यवस्था

नई दिल्ली। किफायती किराया आवास परिसरों को सरकार की बुनियादी ढांचा उप-क्षेत्रों की सूची में शामिल किया गया है। एक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। इससे शहरी प्रवासियों और गरीबों को रहने के लिए किराए पर सस्ते मकान उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पिछले महीने 24 तारीख को जारी एक गजट अधिसूचना में कहा गया है, 'सक्षम प्राधिकार की मंजूरी के साथ बुनियादी ढांचा उप-क्षेत्रों की संशोधित सूची को अधिसूचित किया गया है।' वित्त मंत्रालय की वेबसाइट पर शुक्रवार को डाली गई इस अधिसूचना में कहा गया है कि किफायती किराया आवास परिसरों को बुनियादी ढांचा उप-क्षेत्रों की नई मुख्य सूची में शामिल किया गया है। सूची में 'सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना' श्रेणी में इस नए क्षेत्र को शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जुलाई में किराए पर देने के लिए किफायती किराया आवास परिसर योजना को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी (पीएमएवाई- यू) के तहत आने वाली यह योजना सरकार के 20.97 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज का हिस्सा है। सस्ते किराया आवासीय परिसरों में शहरी गरीब और प्रवासी मजदूर सस्ती दर पर किराए पर मकान लेकर बेहतर जीवन जी सकेंगे।

निर्यात के साथ आयात में भी सकारात्मक रुख दिखने लगा हैः गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि देश के निर्यात के साथ-साथ आयात में भी सकारात्मक रुख दिखाई दे रहा है और निर्यात पिछले साल के स्तर पर पहुंच रहा है। कोविड-19 महामारी की वजह से इस साल अप्रैल में निर्यात में भारी गिरावट आई थी। गोयल ने बृहस्पतिवार को विभिन्न व्यापार संवर्द्धन परिषदों (ईपीसी) के साथ बैठक के दौरान कहा कि पूंजीगत सामान का आयात नहीं घटा है। सिर्फ कच्चे तेल, सोने और उर्वरक आयात में कमी आई है। यह बैठक देश की वैश्विक व्यापार की स्थिति, जमीनी हालात तथा निर्यातकों के समक्ष समस्याओं पर विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई थी। उन्होंने कहा कि देश का व्यापार घाटा लगातार कम हो रहा है और एक जुझारू आपूर्ति श्रृंखला की वजह से वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा बढ़ रहा है। गोयल ने कहा कि उनका मंत्रालय अधिक विश्वसनीय और बेहतर व्यापार आंकड़े जुटाने का प्रयास कर रहा है जिससे उन्हीं के अनुरूप बेहतर योजना और नीति बनाई जा सके। मंत्री के हवाले से शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ''देश के निर्यात के साथ आयात में भी सकारात्मक रुख दिख रहा है। निर्यात पिछले साल के स्तर पर पहुंच रहा है। इस साल अप्रैल में महामारी की वजह से निर्यात में भारी गिरावट आई थी।

दिवाली पर खरीदें सस्ते वाहन, मोदी सरकार ने दिए जीएसटी घटाने के संकेत

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार ऑटो उद्योग को जल्द अच्छी खबर देने वाली है। मोदी सरकार कोविड-19 की वजह से सकंट में फंसे ऑटो उद्योग को राहत देने और जनता को दीवाली पर सस्ते वाहन का तोहफा देने की तैयारियों में जुटी हुई है। केंद्रीय उद्योग मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को संकेत देते हुए कहा कि वाहनों के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती की जा सकती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी कहा कि कबाड़ करने की नीति का खाका तैयार हो चुका है और सभी संबंधित पक्षों ने इस पर अपनी-अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस नीति की घोषणा संभव है। जावड़ेकर ने जीएसटी दरों में कटौती करने की संभावना के बारे में कहा कि वित्त मंत्रालय इस पर काम कर रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि जल्द ही आपको अच्छी खबर मिलने वाली है। मंत्री ने कहा कि वाहन उद्योग की मांग पर जीएसटी घटाने को लेकर वह पीएम मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा हो सकता है कि हम तुरंत जीएसटी दर घटाने पर सहमत न हों, लेकिन यह अंतिम फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा हो सकता है कि हम तुरंत जीएसटी दर घटाने पर सहमत न हों, लेकिन यह अंतिम फैसला नहीं होगा। निश्चय तौर पर हम आगे का रास्ता निकालेंगे, मुझे यकीन है कि इस दिशा में प्रगति होगी। बीते महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि दोपहिया वाहन न तो लक्जरी और न ही नुकसानदेह सामान है, ।

जीएसटी दर में संशोधन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद द्वारा एक दर संशोधन प्रस्ताव लाया जाएगा। सभी दोपहिया वाहनों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है। जीएसटी दरें केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद द्वारा तय की जाती हैं, जिसमें सभी राज्यों के वित्त या कराधान के प्रभारी मंत्री शामिल होते हैं।

सेबी ने जारी किए मेहुल चोकसी और गीतांजलि जेम्स के अकाउंट जब्त करने का आदेश

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को पांच करोड़ रुपए के बकाए की वसूली के लिए भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी और उसकी कंपनी गीतांजलि जेम्स तथा कंपनी के कार्यकारी निदेशक धनेश सेठ के बैंक और डीमैट खातों को कुर्क करने का आदेश दिया है। चोकसी हीरा कारोबारी नीरव मोदी का मामा है। वह गीतांजलि जेम्स का प्रवर्तक और प्रबंध निदेशक है। नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से करीब 14,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। फिलहाल वह ब्रिटेन की जेल में है। सेबी ने कहा कि चोकसी, गीतांजलि जेम्स और सेठ पर लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में विफल रहे हैं, जिसके बाद उनके खातों को कुर्क करने का फैसला किया गया। सेबी ने इस साल फरवरी में सूचीबद्धता सहित विभिन्न नियमों के उल्लंघन के लिए इनपर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। कुल बकाया 5.27 करोड़ रुपए से कुछ अधिक का है। इसमें पांच करोड़ रुपए का जुर्माना और 27 लाख रुपए का ब्याज तथा एक हजार रुपए की वसूली लागत शामिल है।

पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट, अब सुधार में आई तेजी- वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान लागू हुए लॉकडाउन की वजह से जून तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट आई है। धीरे धीरे आर्थिक गतिविधियां खुलने से देश की अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर लौट रही है। मंत्रालय ने अगस्त की समीक्षा करने के बाद कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में गिरने के बाद अब तेजी से ऊपर की तरफ जा रही है। देश में कोरोना वायरस को रोकने के लिए लागू किए लॉकडाउन से जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में जून तिमाही में भारत की जीडीपी में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट की मानें तो, जून तिमाही में अमेरिका की अर्थव्यवस्था में 9.1 फीसदी की कमी आई है जबकि ब्रिटेन और फ्रांस में क्रमशः 21.7 फीसदी और 18.9 फीसदी की गिरावट रही। वहीं स्पेन, इटली और जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में 22.1 फीसदी, 17.7 फीसदी और 11.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यूरोप क्षेत्र में 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी, जबकि जापान की अर्थव्यवस्था में 9.9 फीसदी की गिरावट रही। रिपोर्ट के अनुसार मजबूत देशों के तुलना में भारत की जीडीपी में 23.9 फीसदी की गिरावट है जोकि थोड़ी अधिक है। भारत में मृत्यु दर कम अन्य देशों के मुकाबले भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान होने वाली मृत्यु की दर सबसे कम रही है। बात करें तो, 31 अगस्त तक भारत की मृत्यु दर 1.78 फीसदी थी, जबकि अमेरिका में 3.04 फीसदी, ब्रिटेन में 12.35 फीसदी, फ्रांस में 10.09 फीसदी, जापान में 1.89 फीसदी और इटली में 13.18 फीसदी रही है। वहीं, रिपोर्ट में बताया गया है कि देश बड़ी तेजी के साथ अर्थव्यवस्था में सुधार ला रहा है, जो वाहन बिक्री, ट्रैक्टर बिक्री, उर्वरक बिक्री, रेलवे माल ढुलाई, इस्पात की खपत और उत्पादन, सीमेंट उत्पादन, बिजली की खपत, ई-वे बिल, जीएसटी राजस्व संग्रह, राजमार्गों पर दैनिक टोल संग्रह, खुदरा वित्तीय लेनदेन, विनिर्माण पीएमआई, मुख्य उद्योगों के प्रदर्शन, पूंजी प्रवाह तथा निर्यात जैसे संकेतकों से भी पता चल रहा है। भारत का विनिर्माण खरीद प्रबंध सूचकांक (पीएमआई) अगस्त में 52.2 पर पहुंच गया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब लॉकडाउन के बाद किसी महीने में विनिर्माण पीएमआई 50 से ऊपर रहा है।अब ऐसे में पता चलता है कि विनिर्माण से जुड़ी गतिविधियों में विस्तार हो रहा है।

सोने में 56 रुपए की मामूली गिरावट, चांदी में भी 738 रुपए की हानि

नई दिल्ली। रुपए के मजबूत होने से दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 56 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 51,770 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने इसकी जानकारी दी। इससे पिछले सत्र में सोना 51,826 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 738 रुपए गिरकर 68,371 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी जो पहले 69,109 रुपये रुपये प्रति किलो थी। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, 'रुपये के मूल्य में सुधार दर्ज होने के कारण दिल्ली में 24 कैरेट के सोने की हाजिर कीमत में 56 रुपये की मामूली गिरावट आयी।' रुपए में दो दिनों से जारी गिरावट थम गई और शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 33 पैसे की तेजी के साथ 73.14 (प्रारंभिक आंकड़ा) पर बंद हुआ जबकि घरेलू शेयर बाजार में पर्याप्त हानि दर्ज हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी का रुख दर्शाता 1,935 डॉलर प्रति औंस था जबकि चांदी का भाव 26.71 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रहा।

मोबाइल ऐप के जरिए एटीएम से बिना कार्ड के निकाल सकते हैं कैश, इस बैंक ने की शुरुआत

बिजनेस डेस्क।

बीते कुछ समय से एसबीआई समेत देश के कई बड़े बैंक ग्राहकों को कार्डलेस कैश निकालने की सुविधा दे रहे हैं। इस कड़ी में अब एक और बैंक जुड़ गया है। ये निजी क्षेत्र का आरबीएल बैंक है। आरबीएल बैंक ने एटीएम से बिना कार्ड के (कार्डलेस) पैसे निकालने की सुविधा की शुरुआत की है। बैंक ने कहा कि उसने इस सुविधा के लिए वैश्विक वित्त प्रौद्योगिकी प्रदाता कंपनी एमपेज पेमेंट सिस्टम्स के साथ करार किया है। बैंक ने बताया कि अब उसके ग्राहक आरबीएल बैंक के त्वरित धन हस्तांतरण (आईएमटी) सेवा से लैस 389 एटीएम और अन्य बैंकों के 40 हजार से अधिक एटीएम से बिना डेबिट कार्ड का इस्तेमाल किए पैसे निकाल सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए ग्राहक को आरबीएल बैंक के मोबैंक ऐप में लॉग इन कर ऐसे एटीएम का स्थान देखना होगा, जो आईएमटी से लैस है। वे इसके बाद बैंक के एटीएम मशीन से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर या ऐप में कुछ विकल्पों का प्रयोग कर कार्डलेस निकासी कर सकेंगे। बता दें कि आरबीएल बैंक से पहले एसबीआई योनो ऐप के जरिए ये सुविधाएं दे रहा है। इसके अलावा अन्य कई बैंकों ने भी इसकी शुरुआत की है। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर या ऐप में कुछ विकल्पों का प्रयोग कर कार्डलेस निकासी कर सकेंगे। बता दें कि आरबीएल बैंक से पहले एसबीआई योनो ऐप के जरिए ये सुविधाएं दे रहा है। इसके अलावा अन्य कई बैंकों ने भी इसकी शुरुआत की है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 30 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली।

प्रत्यक्ष कर संग्रह के मामले में भारत की सिलिकन वैली बेंगलूरू उम्मीद की एकमात्र किरण बनकर उभरा है। टेक कंपनियों पर कोविड-19 लॉकडाउन का व्यापक तौर पर कोई असर नहीं पड़ा है, ऐसे में बेंगलूरु में कर संग्रह 7 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि कुल मिलाकर प्रत्यक्ष कर संग्रह में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। बेंगलूरु एकमात्र क्षेत्र है, जहां पिछले साल की समान अवधि की तुलना में प्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि हुई है, जबकि कोलकाता 66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कर संग्रह में कमी का अगुआ बनकर उभरा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक 2 सितंबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह पर शुद्ध रिफंड 1.9 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि में 2.71 लाख करोड़ रुपए था। महामारी के पहले रखे गए 13.19 लाख करोड़ रुपए का बजट लक्ष्य पूरा करने के लिए चालू वित्त वर्ष के शेष 7 महीनों में कर संग्रह में 44.3 प्रतिशत बढ़ोतरी करने की जरूरत है। सूचना तकनीक के केंद्र बेंगलूरु का कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह में योगदान 16 प्रतिशत है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, बेंगलूरु एकमात्र क्षेत्र है, जहां प्रत्यक्ष कर संग्रह में धनात्मक वृद्धि हुई है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि यह सूचना तकनीक का केंद्र है, जो लॉकडाउन से बहुत प्रभावित नहीं हुआ है। दरअसल इस दौरान ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों का कारोबार बढ़ा है। कमोबेश इन आईटी कंपनियों को विदेशी ग्राहकों से ज्यादा काम मिला है, जिन्होंने अपनी कमाई का विविधीकरण किया है। कोच्चि में संग्रह में 47 प्रतिशत, अहमदाबाद में 46 प्रतिशत, चेन्नई में 43 प्रतिशत, दिल्ली में 38 प्रतिशत और हैदराबाद में 32 प्रतिशत की कमी आई है। मुंबई का इन क्षेत्रों में में बेहतर प्रदर्शन रहा है, जहां गिरावट 20 प्रतिशत रही है। सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 2.9 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि में हुए 3.69 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 21 प्रतिशत कम है। इस अवधि के दौरान आयकर विभाग ने 1 लाख करोड़ रुपए रिफंड जारी किए हैं, जो पिछले साल की समान अवधि में जारी 98,000 करोड़ रुपए की तुलना में 2 प्रतिशत ज्यादा है। कर अधिकारी इस वित्त वर्ष में कर संग्रह का लक्ष्य कम किए जाने को लेकर आधिकारिक सूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो तेज आर्थिक गिरावट के हिसाब से हो। भारत की अर्थव्यवस्था में इससे पहले कभी 23.9 प्रतिशत की गिरावट नहीं हुई थी, जो चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में हुई

शाखा डाकघरों में भी मिलेगा इन योजनाओं का लाभ, विभाग ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली।

डाक विभाग ने पीपीएफ सहित सभी लघु योजनाओं का लाभ ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। डाक विभाग की छोटी बचत योजनाओं में निवेश करके आप बड़ा मुनाफा कमा सकते हैं और इसमें निवेश करना भी आसान है। डाक विभाग की ये बचत योजना ग्रामीण इलाकों तक पहुंचने से ग्रामीण भारत को सशक्त बनाया जा सकेगा। बता दें कि डाक विभाग ने सभी छोटी बचत योजनाओं को विस्तार देकर शाखा डाकघर स्तर तक कर दिया है। ग्रामीण इलाकों में 1,31,113 शाखा डाकघर काम कर रहे हैं। पत्र, स्पीड पोस्ट, पार्सल, इलेक्ट्रॉनिक मनी ऑर्डर, ग्रामीण डाक जीवन बीमा की सुविधाओं के अलावा इन शाखा डाकघरों के द्वारा अब डाकघर बचत खाता, आवर्ती जमा, सावधि जमा और सुकन्या समृद्धि खाता योजनाएं भी प्रदान की जा रही हैं। नए आदेश के अनुसार डाकघर शाखाओं को सार्वजनिक भविष य निधि खाता, मासिक आय योजना राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र , किसान विकास पत्र वरिष्ठ नागरिक बचत योजनाओं और सुकन्या समृद्धि योजना योजना की सुविधा उपलब ध कराने की अनुमति दी गई है। लोग अपने नजदीकी डाकघरों में बचत योजनाओं में पैसा जमा करा सकेंगे।

ग्रामीणों इलाकों के लोगों को अब डाकघरों में बचत बैंक वाली सुविधाएं मिलेंगी, जिनका फायदी शहरों वाले लोग उठा रहे थे। वे अपनी बचत को अपने गांव के नजदीकी डाकघर के माध्यम से ही लोकप्रिय योजनाओं में जमा कर सकेंगे। बता दें कि सरकार की ओर से हर तीन महीने पर छोटी बचत योजनाओं के ब्याज दरों की समीक्षा की जाती है। 1 जुलाई से 30 सितंबर 2020 तक अलग-अलग छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पिछली तिमाही के समान हैं।

चीन से आयात होने वाले फ्लोट ग्लास पर डंपिंगरोधी शुल्क तीन महीने और बढ़ा

नई दिल्ली।

सरकार ने चीन से आयात किए जाने वाले 'फ्लोट ग्लास पर डंपिंगरोधी शुल्क तीन महीने और बढ़ा दिया है। अब यह सात दिसंबर तक लगेगा। फ्लोट ग्लास का इस्तेमाल निर्माण क्षेत्र में होता है। सरकार ने घरेलू कंपनियों को चीन से होने वाले इसके सस्ते आयात से बचाने के लिए डंपिंगरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाने का निर्णय किया है। राजस्व विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, फ्लोट ग्लास पर लगाया गया डंपिंगरोधी शुल्क सात दिसंतबर 2020 तक लागू रहेगा। फ्लोट ग्लास पर पहली बार डंपिंगरोधी शुल्क आठ सितंबर 2015 को पांच साल के लिए लगाया गया था। यह प्रति टन 218 डॉलर की दर से लगाई जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाला व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) जांच कर डंपिंगरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। वाणिज्य मंत्रालय मामले में अंतिम निर्णय लेने के लिए उसे वित्त मंत्रालय के पास भेजता है। विभाग द्वारा 2 सितंबर को जारी एक अलग अधिसूचना में चीन से साइप्रोफ्लोक्सासिन हाइड्रोक्लोराइड दवा के आयात पर छह माह के लिये अस्थाई डंपिंगरोधी शुल्क लगाया गया है। यह दवा कई तरह के विषाणु जनित संक्रमण के इलाज में उपयोग होती है। दवा पर 94 सेंट से 3.29 डॉलर प्रति किलोग्राम के दायरे में डंपिंगरोधी शुल्क लगाया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेबल टेनिस विश्व कप, फाइनल्स नवंबर में चीन में होंगे

बीजिंग। अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के नए कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। महिला विश्व कप, पुरुष विश्व कप, आईटीटीएफ फाइनल्स इस साल नवंबर में चीन में आयोजित किए जाएंगे। कोविड-19 के कारण टेबल टेनिस गतिविधियां तकरीबन आधे साल से स्थगित पड़ी हुई हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, आईटीटीएफ ने इसे रिस्टार्ट नाम दिया, इस प्लान में नवंबर-2020 में कई टूर्नामेंट्स होने हैं। दोनों विश्व कप और फाइनल्स चीन में चीन टेबल टेनिस संघ (सीटीटीए) के समर्थन से होंगे। इसका मतलब है कि महिला और पुरुष विश्व कप बैंकॉक, जर्मनी में आयोजित नहीं किए जाएंगे, जैसा कि पहले तय किया गया था। आईटीटीएफ अध्यक्ष थॉमस वेइकेर्ट ने कहा, जब से यह महामारी आई है तब से अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस की सुरक्षित वापसी हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मैं इस बात से खुश हूं कि आईटीटीएफ में हर किसी की मदद से कई महीनों के बाद हम खड़े होने में और 2020 के अंत से पहले दोबारा वापसी करने में सफल हो रहे हैं।

US open 2020

रोहन बोपन्ना मेन्स डबल्स के दूसरे राउंड में, वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच और ओसाका चौथे राउंड में पहुंचे

डिजिटल डेस्क।

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके कनाडाई पार्टनर डेनिस शापोवालोव साल के चौथे ग्रैंड स्लैम-यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। शुक्रवार को बोपन्ना- डेनिस की जोड़ी ने मेंस डबल्स के पहले राउंड के मुकाबले में अमेरिकी जोड़ीदार नोह रुबीन और एर्नेस्तो एस्कोबेडो को 6-2, 6-4 से मात देकर दूसरे राउंड में अपनी जगह बनाई। अब दूसरे राउंड में बोपन्ना-डेनिस की जोड़ी का सामना केविन क्रिट्ज़ और एंड्रियास मेयस की जोड़ी से होगा।

जोकोविचऔर नाओमी चौथे राउंड में

वहीं वर्ल्ड नंबर-1 सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और महिलाओं में वर्ल्ड नंबर-9 जापान की नाओमी ओसाका के साथ क्रोएशिया की वर्ल्ड नंबर-15 पेत्रा मार्टिस भी चौथे राउंड में पहुंच गई हैं। 17 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने तीसरे राउंड में जर्मनी के जन-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-1 से मात देकर चौथे राउंड में प्रवेश किया। वहीं ओसाका ने विमेंस सिंगल्स तीसरे राउंड के मैच में यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक को 6-3, 6-7, 6-2 से हराया। दूसरी ओर पेत्रा ने तीसरे राउंड में रूस की वरवरा ग्रेसेवा को 6-3, 6-3 से मात देकर चौथे राउंड में प्रवेश किया। इनके अलावा जर्मनी की एंजेलिक्यू केर्बेर ने भी अमेरिका की एन ली को 6-3, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई।

सेरेना ने तीसरे राउंड में जगह बनाई

इससे पहले 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना विलियम्स ने तीसरे राउंड में जगह बना ली है। अमेरिकी दिग्गज ने रुस की मागारिटा गासपारयान को 6-2, 6-3 से मात देकर तीसरे राउंड में कदम रखा। तीसरे राउंड में उनका सामना हमवतन और प्रतिभाशील खिलाड़ी स्लोने स्टीफंस से होगा। स्टीफंस ने बेलारूस की ओल्गा गोवोरत्सोवा को मात दे सेरेना से भिड़ंत पक्की की है। स्टीफंस ने यह मुकाबला 6-2, 6-2 से अपने नाम किया।

आर्यना साबालेंका तीसरे राउंड में

वहीं बेलारूस की ही विक्टोरिया एजारेंका ने भी हमवतन आर्यना साबालेंका को 6-1, 6-3 से मात देकर तीसरे राउंड में जगह पक्की की। स्पेन की गर्बिने मुगुरुजा तीसरे राउंड में प्रवेश नहीं कर सकीं। उन्हें बुल्गारिया की स्वेतना पिरोनकोवा ने 7-5, 6-3 से मात दी। ग्रेट ब्रिटेन की योहाना कोंटा भी तीसरे राउंड में प्रवेश नहीं कर सकीं। उन्हें रोमानिया की सोराना सिरस्टीया ने तीन सेटों तक चले मैच में 2-6, 7-6 (7-5), 6-4 से मात दे टूनार्मेंट से बाहर का रास्ता दिखाया।

फराह, हसन ने एक घंटे की दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया

ब्रसेल्स.

दर्शकों की गैरमौजूदगी में 4 बार के ओलंपिक चैंपियन मो फराह और सिफान हसन ने वैन डैम मीटिंग स्मारक में यहां एक घंटे की दौड़ में नया विश्व रिकार्ड कायम किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण दर्शको के बिना आयोजित हो रही इस प्रतिस्पर्धा में नीदरलैंड की हसन ने महिलाओं की दौड़ में इथोपिया की डिरे टूने के 18.517 किलोमीटर के रिकार्ड में सुधार करते हुए एक घंटे में 18.930 किलोमीटर की दूरी तय की। डिरे 2008 में ओस्त्रावा गोल्डन स्पाइक मीटिंग में यह रिकार्ड बनायी थी। मीटिंग की आखिरी दौड़ डायमंड लीग सीरिज का भी हिस्सा है। इसमें फराह ने हैले गेब्रसेलास्सी के 13 साल के रिकार्ड को तोड़ा। गेब्रसेलास्सी ने 21.285 किलोमीटर दौड़ का रिकार्ड कायम किया था जबकि बशीर अब्दी के साथ दौड़ते हुए सोमालियाई मूल के ब्रिटिश धावक फराह ने 21.330 किलोमीटर की दूरी तय की। अब्दी उनसे आठ मीटर पीछे रहे।

अफगानिस्तानी क्रिकेटर सीपीएल में अंत तक रहेंगे

त्रिनिदाद। इस समय कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में हिस्सा ले रहे अफगानिस्तान के क्रिकेटरों को लीग के अंत तक खेलने की मंजूरी मिल गई है। सीपीएल ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। सीपीएल ने बयान में लिखा, कैरिबियन प्रीमियर लीग अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) का शुक्रिया अदा करना चाहती है जिन्होंने इस बात को सुनिश्चित किया कि लीग में इस साल हिस्सा ले रहे अफगानिस्तान के खिलाड़ी लीग के खत्म होने तक यहां बने रहेंगे। अफगानिस्तान के छह खिलाड़ी- राशिद खान, मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, नाजीबुल्लाह जादरान और जहिर खान, इन सभी को अफगानिस्तान के घरेलू टी-20 टूनार्मेंट शापगीजा क्रिकेट लीग में हिस्सा लेना जो छह सितंबर से शुरू हो रहा। वहीं सीपीएल 10 सितंब को खत्म हो रहा है।

ग्राहम ओनियन ने चोट के कारण लिया क्रिकेट से संन्यास

लंदन।

इंग्लैंड और लंकाशायर के पूर्व तेज गेंदबाज ग्राहम ओनियन ने क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, 37 साल के ओनियन को इस साल बॉब विलिस ट्रॉफी से पहले पीठ में चोट लगी थी और मेडिकल सलाह लेने के बाद उन्होंने अपने पेशेवर करियर को खत्म करने का फैसला किया। ओनियन ने इंग्लैंड के लिए 2009 से 2013 के बीच नौ टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें 29.90 की औसत से 32 विकेट लिए। अगर उन्हें चोटें नहीं लगी होती तो वह और ज्यादा खेलते।

वेस्टइंडीज के खिलाफ किए गए पदार्पण में उन्होंने पांच विकेट लिए थे। वह 2009 की एशेज सीरीज में पांच में से तीन मैचों में खेले थे। इस सीरीज को इंग्लैंड ने अपने कब्जे में किया था।

ओनियन ने 16 साल के अपने करियर में सभी प्रारूपों में मिलाकर कुल 874 विकेट लिए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए चार वनडे मैच भी खेले हैं। वेबसाइट ने ओनियन के हवाले से लिखा है, मैं इस तरह खेल को अलविदा नहीं कहना चाहता था, लेकिन मुझे मेडिकल स्टाफ की बात को सुनना पड़ा और भविष्य में अपनी सेहत को बचाने के लिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं जो खेल को दे सकता था दिया, इसलिए मुझे

किसी तरह का पछतावा नहीं है, एशेज जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने से लेकर डरहम के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज तक, मैंने वो सब हासिल किया जो मैं सोच भी नहीं सकता था।

संक्षिप्त समाचार

कमिंस ने मध्य क्रम के लिए किया स्टोइनिस का समर्थन

साउथैम्पटन। आस्ट्रेलिया के उप-कप्तान पैट कमिंस ने मध्य क्रम के लिए हरफनमौला खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस का समर्थन किया है। स्टोइनिस हालांकि शुक्रवार रात एजेस बाउल मैदान पर खेले गए मैच में आस्ट्रेलिया को जीत की दहलीज पार नहीं करा पाए थे और इंग्लैंड ने यह मैच दो रनों से अपने नाम किया था। स्टोइनिस 18 गेंदों पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वेबसाइस ईएसपीएनक्रिकइंफो ने कमिंस के हवाले से लिखा है, मैं कहूंगा कि हमारे पास टीम में उनके अलावा कुछ और खिलाड़ी हैं जो मध्य क्रम में खेल सकते हैं। इसलिए इन खिलाड़ियों को लंबा मौका मिलेगा। मुझे लगता है कि हम अपने संयोजन से काफी खुश हैं। इसने टी-20 में बीते कुछ वर्षों में हमारे लिए अच्छा काम किया है। इसलिए यह इन खिलाड़ियों को उस रोल में लगातार रखने की बात है। उन्होंने कहा, यह ऐसी बात है, जिसपर हमने चर्चा की है। जब यह लोग घरेलू क्रिकेट में जाते हैं तो वह सर्वश्रेष्ठ खेलते हैं। आप इस बात पर बहस कर सकते हैं कि मध्य क्रम का रोल किसी भी टीम में काफी मुश्किल होता है। यह हमने पाया है कि हमें अपने खिलाड़ियों को मौका देना होगा, क्योंकि महेंद्र सिंह धोना जैसा खिलाड़ी फिनिशर के रोल में सर्वश्रेष्ठ इसलिए है, क्योंकि उसने 300-400 वनडे खेले हैं। उन्होंने कहा, आपने अभ्यास मैचों में देखा होगा कि हमारे कुछ खिलाड़ी यह कर रहे थे। हम जानते हैं कि यह सब एक रात में नहीं होने वाला है।

रवि दहिया ने परीक्षा के कारण कुश्ती शिविर में से लिया नाम वापस

नई दिल्ली। ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पुरुष पहलवान रवि दहिया ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत केंद्र में लगाए जा रहे पुरुष राष्ट्रीय कुश्ती शिविर में से कुछ समय के लिए नाम वापस ले लिया है। रवि ने इसके पीछे वजह अपनी परीक्षा बताई है। 57 किलोग्राम भारवर्ग में ओलम्पिक कोटा हासिल करने वाले रवि ने कहा है कि उन्होंने शिविर से छुट्टी ली है और वह सोनीपत में ही अपने घर में पढ़ाई करना चाहते हैं। दहिया ने आईएएनएस से कहा, मेरी परीक्षा आ रही हैं और मैंने इसक लिए छुट्टी ली हैं। जब मैं अपनी बीए अंतिम वर्ष की परीक्षा दे दूंगा तो मैं दोबारा साई केंद्र में लौट आऊंगा। यह शिविर हमारे लिए काफी जरूरी है, लेकिन मुझे परीक्षा भी देनी है, इसलिए मैं इस समय शिविर में हिस्सा नहीं ले सकता। दहिया ने इसके अलावा किसी और सवाल का जवाब नहीं दिया। 23 साल का यह खिलाड़ी सोनीपत के नहारी गांव से आता है और जनवरी से छत्रसाल स्टेडियम में दीपक पुनिया तथा सुशील कुमार के साथ ट्रेनिंग कर रहा है।शिविर में तीन खिलाड़ियों, दीपक, नवीन और कृष्णा का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव निकलने के कारण कुछ खिलाड़ियों ने शिविर को जारी रखने को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से 15 सितंबर से शुरू हो रहे शिविर को स्थगित करने की अपील की है। स्टार खिलाड़ी बजरंग पुनिया ने हालांकि कहा है कि साई का केंद्र बाहर या घर पर ट्रेनिंग करने की तुलना में ज्यादा सुरक्षित है।

ओलम्पिक शुरू करने के लिए कोविड वैक्सीन मिलना शर्त नहीं - टोक्यो 2020 सीईओ

टोक्यो।

टोक्यो ओलम्पिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तोशिरो मुटो ने कहा है कि अगले साल होने वाले ओलम्पिक और पैरालम्पिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोविड-19 की वैक्सीन मिलना जरूरी है। मुटो ने शुक्रवार को जापानी सरकार के पैनल के साथ कोविड से बचने के लिए आयोजित की गई बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता डिप्टी चीफ कैबीनेट सचिव काजुहिरो सुगिता ने की। इसमें केंद्र सरकार के कुल 30 सदस्यों, टोक्यो मेट्रोपोलिटियन सरकार और टोक्यो 2020 की आयोजन समिति में हिस्सा लिया। बैठक में महामारी की मौजूदा स्थिति और अगले ओलम्पिक तथा पैरालम्पिक खेलों की बेसिक स्कीम पर चर्चा हुई। मुटो ने संवाददाताओं से बात करते हुए वैक्सीन को लेकर कहा, यह शर्त नहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) और डब्ल्यूएचओ ने पहले ही इस मामले पर चर्चा की है। टोक्यो ओलम्पिक के लिए यह शर्त नहीं है। उन्होंने कहा, वैक्सीन की जरूरत नहीं है। हां जाहिर सी बात है कि अगर वैक्सीन बना ली जाती है तो हमें इसका समर्थन करेंगे और टोक्यो 2020 खेलों के लिए यह शानदार होगा। लेकिन अगर आप मुझे कहेंगे कि क्या यह अनिवार्य है तो मैं कहूंगी नहीं, ऐसी कोई शर्त

नहीं है। उन्होंने कहा, दर्शकों के लिए, हमने अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। लेकिन संभव हुआ तो हम बिना दर्शकों वाली स्थिति को नजअंदाज करना चाहेंगे।

टोक्यो ओलम्पिक खेलों का आयोजन इस साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होना था लेकिन कोरोनावायरस के कारण इन खेलों को एक साल के लिए टाल दिया गया और अब यह खेल अगले साल 23 जुलाई से 8 अगस्त के बीच होंगे।

चेल्सी ने काई हेवटर्ज के साथ किया 5 साल का करार

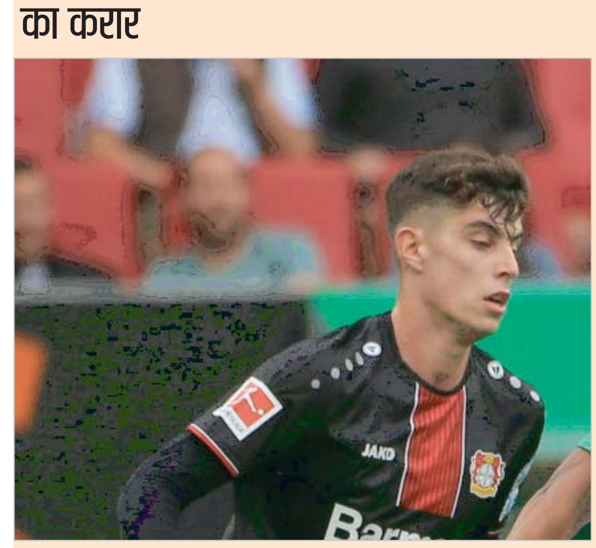

लंदन । इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब चेल्सी ने जर्मन मिडफील्डर काई हेवटर्ज के साथ पांच साल का करार किया है। हेवटर्ज इससे पहले लेवरकुसेन के साथ थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हेवटर्ज अपने जर्मन साथी टिमो वेर्नर के बाद चेल्सी में आए हैं। वेलेर्नर इस सीजन की शुरूआत में चेल्सी से जुड़े थे। 21 साल के हेवटर्ज ने कहा, मेरे लिए, चेल्सी जैसे बड़े क्लब में खेलना एक सपने के सच होने जैसा है। अब मैं सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों से मिलने का और इंतजार नहीं कर सकता। हेवटर्ज 2010 में 11 साल की उम्र में बेयर लेवरकुसेन में शामिल हुए। वर्ष 2016 में उन्होंने सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और बुंदेसलीगा में पदार्पण करने वाले क्लब के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। उन्होंने लेवरकुसेन के लिए 118 मैचों में 36 गोल और 25 असिस्ट किया है। चेल्सी के निदेशक मरीना ग्रानोव्सकिया ने कहा, काई विश्व फुटबॉल में अपनी उम्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। चेल्सी की टीम प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में चौथे स्थान पर रही थी। इसके अलावा टीम एफए कप के फाइनल में पहुंची थी, जहां आर्सेनल के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

खेल मंत्रालय ने बढ़ाया एथलेटिक्स के विदेशी प्रशिक्षकों का करार

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय ने ओलंपिक खेल-2024, एशियाई तथा राष्ट्रमंडल खेल-2022 को ध्यान में रखते हुए एथेलेटिक्स के नौ विदेशी प्रशिक्षकों, सपोर्ट स्टाफ के करार की अवधि बढ़ा दी है, जिसमें एथलेटिक्स के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी शामिल हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में लिखा है, खेल मंत्रालय ने नौ विदेशी प्रशिक्षकों जिसमें एथलेटिक्स के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर भी शामिल हैं, का करार की अवधि ओलंपिक खेल-2024 और एशियाई तथा राष्ट्रमंडल खेल-2022 को ध्यान में रखते हुए बढ़ा दी है। बयान में आगे लिखा है, मंत्रालय ने यह फैसला 2024 और 2028 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए लिया है, ताकि यह सुनिश्चत किया जा सके कि खिलाड़ी लगातार एक ही कोच के साथ ट्रेनिंग कर सकें और अपना प्रदर्शन सुधार सकें। खेल मंत्री किरण रिजिजू ने इस पर कहा, हमारी नजरें 2024 और 2028 ओलंपिक की तैयारियों पर है और ऐसे में हमारे एथलीटों के सामने अच्छ खासा रोडमैप है। प्रशिक्षकों के करार को बढ़ाने का फैसला हमारे एथलीटों को मदद करेगा, क्योंकि वह एक ही कोच के साथ लगातार ट्रेनिंग कर सकेंगे।

मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल के लिए नहीं मिली एनओसी

ढाका।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल-13 में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने से मना कर दिया। वेबासाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीबी के निदेशक ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी। वहीं क्रिकेट संचालन के चेयरमैन अकरम खान ने इसके पीछे की वजह अक्टूबर-नवंबर में बांग्लादेश का श्रीलंका दौरा बताई है। वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, कोलकाता नाइट राइडर्स हैरी गार्ने की जगह भरने के लिए रहमान में दिलचस्पी ले रही थी। खान ने ढाका की वेबसाइट बीडीन्यूज24 डॉट कॉम को बताया, आईपीएल से प्रस्ताव था लेकिन हमारा टूर आने वाला है इसलिए हमने उन्हें एनओसी नहीं दी। वह हमारे लिए अहम क्रिकेटर हैं और यह आने वाली सीरीज भी हमारे लिए काफी अहम है। रहमान हालाकिं 2019 से बांग्लादेश के टेस्ट प्लान में शामिल नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में भी अपना आखिरी मैच 2018 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था। हैरी कंधे की चोट के कारण आईपीएल और विटालिटी ब्लास्ट से बाहर हो गए हैं। वह बीते सीजन में आईपीएल में कोलकाता के लिए खेले थे। उनका अगले महीने ऑपरेशन होना है। हैरी की जगह कोलकाता को एक तेज गेंदबाज की दरकार थी और इसलिए उसने रहमान का रूख किया था जिन्हें आईपीएल का अनुभव भी है। कोविड-19 के कारण इस बार आईपीएल का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच हो रहा है।

ब्राजील के मिडफील्डर एलन 3 साल के लिए एवर्टन से जुड़े

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब एवर्टन एफसी ने ब्राजील के मिडफील्डर एलन के साथ तीन साल का करार करने की शनिवार को घोषणा की। एलन इससे पहले नापोली के साथ थे और अब वह जून 2023 तक एवर्टन के लिए खेलेंगे। एवर्टन ने एक बयान में कहा कि एलन ने इटालियन क्लब नापोली के साथ अपने पांच साल के करार को खत्म कर लिया है। उन्होंने अपनी नेशनल टीम के लिए नौ मैच खेले हैं। साथ ही वह उस टीम का हिस्सा थे, जिसने पिछले साल कोपा अमेरिका का खिताब जीता था। 29 साल एलन ने कार्लो एंसेलोटी के मार्गदर्शन में नापोली के लिए 61 मैच खेले हैं। उन्होंने कहा, एवर्टन के साथ करार करना एक वास्तविक आनंद है। मुझे यहां आने की बेहद खुशी है। मुझे उम्मीद है कि जैसे मैंने अपने पूरे करियर में किया है, मैं अपने साथियों के साथ मिलकर अपने प्रदर्शन में योगदान देता हूं और यह कि मैं कुछ शानदार खेल, शानदार प्रदर्शन करता हूं और महत्वपूर्ण चीजें जीतता हू।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेहा कक्कड़ बनीं मणिकचक कॉलेज की टॉपर

मुंबई । बॉलीवुड मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ का बंगाल के मालदा जिले में स्थित मणिकचक कॉलेज ने अंडर ग्रेजुएट कोर्स की एक मेरिट लिस्ट में नाम आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार नेहा का नाम एक नहीं, बल्कि तीन कोर्स की मेरिट लिस्ट में आया है। नेहा का नाम बीए पास कोर्स, इंग्लिश ऑनर्स और एजुकेशनल ऑनर कोर्स की मेरिट लिस्ट में है। हालांकि, अब इस मामले पर कॉलेज के प्रिंसिपल अनिरुद्ध चक्रवर्ती ने सफाई देते हुए कहा कि यह सब सिर्फ पश्चिम बंगाल ऑनलाइन एडमिशन सिस्टम की छवि खराब करने के लिए साजिश के तहत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन मेरिट लिस्ट तैयार करने के लिए कॉलेज प्रशासन ने कोलकाता की एक एजेंसी को हायर किया था। प्रिंसिपल ने आगे बताया कि गुरुवार की सुबह उन्होंने तीनों लिस्ट तैयार होने के बाद इसमें योग्यता सूचियों में नेहा कक्कड़ का नाम भी पाया। उन्होंने कहा कि इसमें नेहा को 500 में से 500 अंक दिए गए हैं। इसके बाद जांच की गई तो पता चला कि यह फेक है और इसके जरिए पश्चिम बंगाल सरकार के ऑनलाइन एडमिशन सिस्टम को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।अब कॉलेज प्रशासन ने इस मामले की शिकायत लोकल पुलिस स्टेशन और साइबर क्राइम सेल ऑफ वेस्ट बंगाल पुलिस में दर्ज करवा दी है।

उर्वशी रौतेला ने डेडिकेशन के साथ किये पुलअप्स

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर सोशल मीडिया पर फोटो और विडियो शेयर करती हैं। उर्वशी रौतेला हाल ही में अपने वर्कआउट वीडियो को लेकर चर्चा में आ गई हैं, जिसमें वह जबरदस्त अंदाज में पुलअप्स करती नजर आ रही हैं। वर्कआउट करते हुए उर्वशी रौतेला की डेडिकेशन और उनका अंदाज देखने लायक है। एक्ट्रेस ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से साझा किया है, जिसे फैंस भी खूब पसंद कर रहे हैं। उर्वशी रौतेला के इस वीडियो पर अब तक 5 लाख से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं, इसके साथ ही फैंस इसपर कमेंट्स करने से भी नहीं थक रहे हैं और वीडियो में एक्ट्रेस ब्लैक एंड व्हाइट टॉप और ब्लैक टाइट्स में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका स्टाइल भी कमाल का लग रहा है। इस वीडियो को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा कि 'वॉरियर स्टाइल में वर्कआउट।' बता दें कि हाल ही में उर्वशी रौतेला के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 3 करोड़ हुई है, जिसे लेकर एक्ट्रेस ने शानदार अंदाज में जश्न भी मनाया था। इंस्टाग्राम पर 3 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्श होने पर फैंस भी उन्हें खूब बधाई दे रहे थे। वहीं, वर्कफ्रंट पर एक्ट्रेस आखिरी बार ओटीटी फिल्म वर्जिन भानुप्रिया में नजर आई थीं। इस फिल्म में उर्वशी के साथ बिग बॉस विनर गौतम गुलाटी भी मुख्य भूमिका में दिखाई दिए थे। फिल्मों से इतर उर्वशी अपने गानों से भी खूब धमाल मचा रही हैं।

अनन्या पांडे ने अपने नए पोस्ट के जरिए फैलाई सकारात्मकता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने अपने नए सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि वह सकारात्मकता फैलाकर अंधेरा को हटाने में विश्वास करती हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा किया, जिसमें वह बिल्कुल देशी लुक में दिखाई दे रही है। तस्वीर में वह सफेद रंग का कुर्ता और ऑरेंज रंग की दुपट्टा पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा, 'अगर आपके आस-पास सब कुछ अंधेरा सा हो, तो फिर से देखें, आप उजाला बन सकते हैं। हैशटैग खाली पीली।' अनन्या फिल्म 'खाली पीली' में पूजा का किरदार निभा रही हैं, जिसमें उनके साथ ईशान खट्टर भी नजर आने वाले हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म की आउटडोर शूट से कुछ तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'मुझे पूजा के किरदार को निभाने और एक्शन सीक्वेंस को फिल्माने के बीच तस्वीरें लेने की अभी से याद आ रही है। हैशटैगटेकमीबैट हैशटैगखालीपीली।

-जानेमाने एक्टर ने वीडियो शेयर कर सुनाई आपबीती

धोखेबाज तो हर मोड़ पर मिलेंगे, इनसे बचना: धर्मेंद्र

नई दिल्ली। अपने जमाने के बॉलीवुड के मशहूर एक्टर धर्मेंद्र ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने फैंस को कहा कि यहां धोखेबाज तो हर मोड़ पर मिलते हैं आपको, इनसे बचना है। आप मेरे अपने हैं ना इसलिए आपको आपबीती सुना रहा हूं। धर्मेंद्र के इस वीडियो ने फैंस का खूब ध्यान खींचा है, साथ ही लोग इसपर जमकर कमेंट भी कर रहे हैं। धर्मेंद्र ने अपने वीडियो में फैंस से बात करते हुए कहा, 'रूह ने रोका, मन ने मना लिया। उठा पैरों से कंबख्त को सीने से लगा लिया है। बदबख्त ने भरोसा तोड़ा मेरा, मेरी रूह को रुला दिया। दोस्तों जहां रूह सहमत नहीं वहां, उसकी रहमत नहीं। ये धोखेबाज तो हर मोड़ पर मिलेंगे आपको, इनसे बचना। आप मेरे अपने हैं ना इसलिए आपबीती सुना बैठा आपको। अपना ख्याल रखना, कोरोना से बचना और इनसे तो बहुत ही बचना।' इस वीडियो में धर्मेंद्र के अंदाज को लेकर फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि एक्टर इन दिनों अपने फार्म हाउस पर समय बिता रहे हैं, लेकिन वह अपने फैंस से हमेशा जुड़े रहते हैं। बता दें कि धर्मेंद्र का असली नाम धरम सिंह देओल है। धर्मेंद्र का बचपन साहनेवाल में गुजरा। धर्मेंद्र के पिता स्कूल हेडमास्टर थे। धर्मेंद्र ने अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से 1960 में बॉलीवुड में डेब्यू किया। धर्मेंद्र को 1970 के दशक के मध्य में दुनिया के सबसे हैंडसम पुरुषों में स्थान मिला था। धर्मेंद्र वर्ल्ड आयरन मैन अवार्ड से भी नवाजे जा चुके हैं। धर्मेंद्र की लोकप्रिय फिल्मों में 'सत्यकाम', 'खामोशी', 'शोले', 'क्रोधी' और 'यादों की बारात' जैसी फिल्मों के नाम आते हैं। बता दें कि धर्मेंद्र इन दिनों भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए हमेशा फैंस से जुड़े रहते हैं। धर्मेंद्र अकसर ट्विटर या इंस्टाग्राम पर फोटो और वीडियो साझा करते हैं और अपने फैंस से जुड़े रहते हैं।

मैंने कभी प्लेटफॉर्म के आधार पर प्रोजेक्ट नहीं चुना : राधिका आप्टे

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका आप्टे ने प्रोजेक्ट चुनने की अपनी प्रक्रिया का खुलासा किया है। उनके लिए प्लेटफॉर्म मायने नहीं रखता। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने हमेशा प्रोजेक्ट को कैरेक्टर और स्टोरी लाइन के आधार पर चुना है कि कैसे मैं इसकी गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करती हूं। मैंने प्लेटफॉर्म के आधार पर कभी प्रोजेक्ट नहीं चुना है।' अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बात करते हुए राधिका ने कहा, 'मेरी कोई प्राथमिकता नहीं है, मुझे थिएटर और सिनेमा दोनों पसंद हैं, दोनों के पास आकर्षण और सराहना के लिए खुद की चीजें हैं।' अभिनेत्री को अगली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म 'ए कॉल टू स्पाई' में देखा जाएगा, जो जासूस नूर इनायत के जीवन पर आधारित है।

छोटी-छोटी बातों में खुशियां ढूंढती हैं करिश्मा

मुंबई। अभिनेत्री करिश्मा कपूर को छोटी-छोटी चीजों में खुशियां मिलती हैं। गुरुवार को करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा कीं, जिसमें वह अपनी बालकनी में बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर में करिश्मा को ब्लैक टी-शर्ट और ब्लू जीन्स में देखा जा सकता है। तस्वीर को साझा करने के साथ ही अभिनेत्री ने यह भी बताया कि काफी लंबे समय बाद जीन्स पहनकर उन्हें कितनी खुशी मिल रही है। तस्वीर में कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, 'सिंपल चीजें काफी पसंद है (जैसे कि बड़े दिनों बाद जीन्स पहनना) हैशटैगथर्सडे थॉट।' करिश्मा की यह बात उनके प्रशंसकों को काफी पसंद आई। एक यूजर ने लिखा, 'आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं।' एक ने लिखा, 'तरोताजा और युवा।' करिश्मा आखिरी बार वेब शो 'मेंटलहुड' में नजर आई थीं जिसके साथ उन्हें डिजिटल में अपना डेब्यू किया।

रिया के समर्थन में उतरीं विद्या बालन की जमकर ट्रोलिंग

मुंबई। अभिनेत्री तापसी पन्नू, लक्ष्मी मांचू और मीरा चोपड़ा के बाद विद्या बालन भी सुशांत सिंह राजपूत मामले में रिया चक्रवर्ती के समर्थन में उतरी हैं। विद्या ने कहा कि जांच अभी चल ही रही है, ऐसे में उन्हें पहले ही दोषी ठहरा दिया जाना उचित नहीं है। हालांकि सुशांत के प्रशंसकों को विद्या की यह बात पसंद नहीं आई। लोगों का मानना है कि ये सेलेब्रिटीज उस अभिनेत्री के पक्ष में खड़े हो रहे हैं जो मामले की एक मुख्य आरोपी है। गुरुवार को 6,18,000 से अधिक सदस्यों वाले फेसबुक ग्रुप 'जस्टिस फॉर सुशांत सिंह राजपूत' में विद्या को जमकर ट्रोल किया गया। ट्रोलिंग की शुरुआत तब हुई, जब ग्रुप के एक सदस्य ने एक न्यूज आर्टिकल की तस्वीर साझा की, जिसमें विद्या, रिया की खिलाफत का विरोध करती दिख रही हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'इसलिए, क्योंकि वह एक औरत है। यह देखकर मेरा दिल टूट जाता है कि एक महिला होते हुए वह इतनी निर्दयी कैसे हो सकती हैं कि किसी को मार दें या मरने पर मजबूर करें। विद्या, अपनी आंखें खोलो और सच का साथ दो।' किसी दूसरे यूजर ने लिखा, 'आपसे इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं थी। याद रखिए, आप उसे अपना जितना समर्थन देंगी, भारतीय दर्शकों से उतनी ही दूर होती जाएंगी। अपनी आंखें खोलिए और सच का समर्थन कीजिए, न कि फर्जी पीआर स्टंट्स का। उम्मीद है कि आपमें समझ आए।' इसी तरह से एक यूजर ने लिखा, 'बॉयकॉट लिस्ट में इसका भी नाम डाल दो। सोशल मीडिया पर इसे रिया को निर्दोष साबित करने दो। ढोंगी..।'

कंगना हिंदुस्तान की शेरनी है, किसी की इतनी हिम्मत नहीं मुंबई में घुसने से रोक दें : बबीता फोगाट

मुंबई.

एक्ट्रेस कंगना रनौत और शिवसेना नेता संजय राउत की बीच हुई जुबानी जंग की आंच अब दूर तक फैल घई है। कंगना ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मुंबई पुलिस से डर लगता है। कंगना के इसी बयान पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा ने उन्हें 'मुंबई में न आने की धमकी' दी। हाल ही में संजय राउत के इस बयान पर भाजपा नेता और रेसलर बबीता फोगाट का रिएक्शन आया हैं। बबीता फोगाट ने कहा कि कंगना हिंदुस्तान की बेटी है, किसी की इतनी हिम्मत नहीं है कि उसे मुंबई में घुसने से रोक दे। बबीता फोगाट ने ट्वीट कर लिखा- 'कंगना रानौत हिंदुस्तान की बेटी है किसी की इतनी हिम्मत नहीं है कि उनको मुंबई में घुसने से रोक दे। संजय राउत ने यह बोलकर शिवसेना की असलियत दिखा दी है। बहादुर बहन की बॉलीवुड की गंदगी को साफ करने के लिए सख्त जरूरत है।' बबीता ने आगे कहा-वह कुछ भी नहीं छिपा रही है। वह बॉलीवुड को एक्सपोज कर रही है। मैं उसके साथ हूं, केवल मैं ही नहीं, बल्कि पूरा देश हमारे साथ है। वह साहस पूर्वक अपने सभी बिंदुओं पर विचार कर रही है। अब उसकी आवाज को कोई भी नहीं दबा सकता है वह चाहे शिवसेना हो या कोई और पार्टी।' बता दें कि कंगना रनौत ने मुंबई पुलिस के कामकाज पर सवाल उठाए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि मुंबई पुलिस ने कुछ ऐसे ट्वीट्स को लाइक किया है जिसमें कंगना के बारे में गलत बयान दिए गए हैं। इसे लेकर कंगना की मुंबई पुलिस के साथ ट्विटर पर बहस हो गई थी।

दिलीप कुमार के भाई एहसान खान का कोविड-19 से निधन

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के भाई एहसान खान (90 वर्षीय) कोविड -19 से जंग हार गए हैं। अभिनेता के पारिवारिक मित्र ने उनके निधन की पुष्टि की है। अभिनेता के अधिकारिक ट्विटर हैंडल से उनके मित्र फैजल फारुकी ने ट्वीट कर कहा, 'दिलीप साहब के भाई एहसान खान का कुछ घंटे पहले निधन हो गया है। इससे पहले उनके सबसे छोटे भाई असलम का निधन हो गया था। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें।' एहसान खान की मौत लीलावती अस्पताल में हुई। उन्हें उच्च रक्तचाप और अल्जाइमर जैसी अन्य बीमारियां भी थीं। पिछले महीने कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद दिलीप कुमार के सबसे छोटे भाई असलम खान का निधन हो गया था। इस खबर की पुष्टि भी दिग्गज अभिनेता के पारिवारिक मित्र फैसल फारूकी ने ही की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप ने फिर दिखाया भारत प्रेम, कहा- 'मैं मोदी और मेरे बच्चे भारत के बारे में बहुत सोचते हैं'

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके परिवार के भारत के प्रति प्रेम का संकेत देते हुए कहा कि उनकी तरह ही उनकी बेटी इवांका, बेटा डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और उनकी मित्र किम्बर्ली गिलफॉय भारत के बारे में बहुत सोचते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, ''मैं भारत को जानता हूं और जिन युवाओं (किम्बर्ली, डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और इवांका) का आपने जिक्र किया, उन्हें समझता हूं। वे बहुत अच्छे युवा हैं और मुझे पता है कि मेरी तरह ही भारत के साथ उनका संबंध बहुत अच्छा है। राष्ट्रपति से सवाल किया गया था, भारतीय-अमेरिकी समुदाय में काफी लोकप्रिय किम्बर्ली, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और इवांका ट्रंप भारत-अमेरिकी संबंधों के बारे में आपके विचारों के समर्थन में क्या भारतीय अमेरिकियों के बीच आपकी ओर से प्रचार करेंगे?÷ ट्रंप ने जवाब में कहा,मैं इन भावनाओं की सराहना करता हूं।

वे (किम्बर्ली, ट्रंप जूनियर और इवांका) और मैं भारत के बारे में बहुत सोचते हैं। और मैं आपके प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) के बारे में बहुत सोचता हूं। वर्ष 2016 में हुए चुनाव में भी ट्रंप के परिवार ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के बीच प्रचार किया था। इवांका भारत संबंधी मुद्दों पर ट्वीट करती रहती हैं। इससे पहले ट्रंप ने जोर देते हुए कहा कि भारत-चीन सीमा पर हालात ''बहुत ही खराब हैं और चीन अधिक मजबूती के साथ ''इसे बढ़ाने जा रहा है । उन्होंने कहा कि वह इस मामले में शामिल होना और मदद करने चाहेंगे।

व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, ''सीमा पर चीन और भारत के बीच हालात बहुत खराब हैं। ट्रंप ने दोहराया कि वह इस बारे में भारत और चीन दोनों से बात कर रहे हैं।

पिछले 40 वर्षों में अमेरिकी विदेश नीति चीन से निपटने में रही असफल : एनएसए ब्रायन

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने कहा कि पिछले 40 वर्षों में विभिन्न सरकारें जिस तरह चीन से निपटीं, वह अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी असफलता है। उन्होंने साथ ही जोर दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे बदलने के लिए कदम उठाए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ब्रायन ने कहा, ''जिस तरह से हम पिछले 40 वर्षों में चीन से निपटे, वह संभवतः अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी असफलता है। उन्होंने कहा, ''यह वह मंत्र है जिससे चीन समृद्ध हुआ, जबकि चीन बौद्धिक संपदा की चोरी, अनैतिक व्यापार हथकंडों और पड़ोसी देशों या थिएनआनमन चौक पर अपने ही लोगों को डराने-धमकाने में शामिल रहा लेकिन हमने अपनी आंखें बंद रखीं। हमारे आंखें बंद रखने की वजह से वह अमीर बना और चीन के मध्यम वर्ग का हमारी तरह विस्तार हुआ। ब्रायन ने कहा, ''हम विश्वास करना चाहते हैं कि सभी हमारी तरह बनना चाहते हैं, अधिक पश्चिमी और अधिक लोकतांत्रिक, लेकिन तथ्य यह कि ठीक इसके विपरीत हुआ। चीन में गत वर्षों में मानवाधिकार उल्लंघन की स्थिति और बिगड़ी, चाहे नेता हो या धार्मिक अल्पसंख्यक हो या पड़ोसी,या हाल तक हांगकांग के लोग जो लोकतंत्र का आनंद लेते थे, ताइवान को डराना-धमकाना हो, हमने चीन की बहुत ही नुकसानदायक गतिविधि देखी है। उन्होंने कहा, ''संघीय जांच एजेंसी के निदेशक क्रिस्टोफर वारे ने कहा

है कि प्रत्येक 10 घंटे में चीन द्वारा की जा रही जासूसी के मामले का खुलासा हो रहा है। इसका मतलब, अमेरिका के खिलाफ गतिविधि लगातार चल रही है। हमने ऐसा कभी नहीं देखा था। यह सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध की तरह नहीं है।

सीमा में घुसे चीन के सुखोई-35 फाइटर जेट को ताइवान ने मार गिराया, सामने आया वीडियो

नेशनल डेस्क।

लगातार अपनी गतिविधियां बढ़ा रहे चीन को ताइवान ने करारा जवाब दे दिया है। ताइवान ने अपने एयर स्पेस में घुस आए चीनी सुखोई-35 विमान को मार गिराया है। इस घटना के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विमान जलता हुआ दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर दावा किया जा रहा है कि ताइवान ने अपने हवाई क्षेत्र में घुस आए चीनी सुखोई-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। हालांकि दोनों देंशों ने अभी इसे लेकर कोई पुष्टि नहीं की है। खबरों की मानें तो ताइवान ने इस हमले में अमेरिकी पेट्रियाट मिसाइल डिफेंस सिस्टम का उपयोग किया है। इस घटना में पायलट के घायल होने की खबर है। बता दें कि चीन पिछले कई दिनों से ताइवान के एयरस्पेस में अपने लड़ाकू विमान भेज रहा है। ताइवान की सेना ने साफ कर दिया था कि वह भले ही किसी से दुश्मनी न बढ़ाए, अपने खिलाफ विरोधी ऐक्शन पर चुप नहीं रहेगी। वह भले ही किसी से दुश्मनी न बढ़ाए, अपने खिलाफ विरोधी ऐक्शन पर चुप नहीं रहेगी। बता दें कि चीन ने साउथ चाइना सी में ताइवान के इलाके पर कब्जा करने के लिए युद्धाभ्यास के नाम पर हजारों सैनिकों को उतार दिया है। इसके जवाब में ताइवान ने भी लगभग 200 मरीन कमांडोज की एक कंपनी को प्रतास द्वीप पर भेजा है। ताइवान का खुफिया जानकारी मिली है कि चीन की सेना इस द्वीप पर हमले की योजना बना रही है। चीन में इस द्वीप को डोंगसा के नाम से जाना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी हैनान द्वीप पर बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण अभ्यास करने की योजना बना रहा था, जिसमें ताइवान-नियंत्रित द्वीपों पर कब्जे का प्रयास भी किया जाएगा।

नवाज की बेटी मरियम व 300 पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ आतंकवाद के आरोप में केस दर्ज

पेशावर।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज और उनकी पार्टी के 300 कार्यकर्ताओं के खिलाफ शुक्रवार को आतंकवाद के आरोपों में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने भ्रष्टाचार रोधी इकाई राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (ह्वक्क) के लाहौर स्थित कार्यालय के बाहर पुलिस के साथ कथित संघर्ष को लेकर पीएमएल-एन के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ तीन सप्ताह पहले दर्ज प्राथमिकी में आतंकवाद रोधी कानून 1997 की धारा सात भी जोड़ी है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर कथित हमले को लेकर झड़प तब हुई थी जब मरयम जमीन संबंधी भ्रष्टाचार के एक मामले में कार्यालय पहुंची थीं। ने प्राथमिकी में आतंकवाद के आरोप जोड़े जाने का विरोध किया

है और कहा है कि यह सब प्रधानमंत्री इमरान खान के इशारे पर किया गया है। पार्टी सांसद अज्मा बुखारी ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में कहा, मरयम नवाज को सक्रिय राजनीति में देखकर इमरान खान हतोत्साहित हैं। एनएबी ने पहले तो इमरान के इशारे पर मरयम के खिलाफ जमीन संबंधी झूठी जांच शुरू की और अब पुलिस ने उनके तथा पीएमएल-एन के अन्य लोगों के खिलाफ आतंकवाद संबंधी आरोप लगाए हैं। लाहौर में एनएबी कार्यालय के बाहर 11 अगस्त को पुलिस और पीएमएल-एन कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

चीन ने अमेरिकी महिला पत्रकार की गिरफ्तार, दूतावास फोन करने की भी नहीं दी इजाजत

बीजिंग। अमेरिका और चीन के तल्खी बढ़ती जा रही है। दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे पर कई प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। अमेरिका के कड़े रवैये से बौखलाए चीन ने इनर मंगोलिया क्षेत्र में एक अमेरिकी पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया है। लॉस एंजिलिस टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक रिपोर्टर सेन केवल को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन में न सिर्फ पूछताछ की गई बल्कि उसे करीब चार घंटे तक उसे सेल में बंद रखा गया और फिर उत्तरी चीनी क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। अमेरिकी पत्रकार चीन के इनर मंगोलिया क्षेत्र में नई शिक्षा नीति को लेकर चल रहे तनाव को कवर कर रही थीं। नई शिक्षा नीति में मंगोलियाई भाषा के इस्तेमाल को कम किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिपोर्टर को इस क्षेत्र की राजधानी होहोट के एक स्कूल में सादे कपड़ों में पहुंचे कुछ पुरुषों ने घेर लिया और इसके बाद उन्हें पुलिस की कार में थाने ले जाया गया। महिला पत्रकार को अमेरिकी दूतावास फोन करने की भी अनुमति नहीं दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस स्टेशन में एक अधिकारी ने दोनों हाथों से रिपोर्टर का गला पकड़ा और उसे एक सेल में धकेल दिया।

शख्स ने 4 लाख से अधिक रुपए में खरीदा 4 पत्तियों वाला पौधा

सिडनी। न्यूजीलैंड में एक शख्स ने 4 लाख रुपए से अधिक कीमत में चार पत्तियों वाला पौधा खरीदा है। इसे लेकर एक वेबसाइट ट्रेड मी पर बोली लगाने की होड़ लग गई। जिसके बाद सर्वाधिक बोली लगाने वाले शख्स ने 8,150 न्यूजीलैंड डॉलर (4.02 लाख रुपये) में खरीदा। राफिडोफोरा टेट्रासपेर्मा नामक इस दुर्लभ पौधे की खासियत है कि इसमें पीले, गुलाबी, सफेद और बैंगनी रंग के भी पत्ते आते हैं। इसे फिलोडेंड्रोन मिनिमा के रूप में भी जाना जाता है। आमतौर पर वेरिगेटेड मिनिमा को 14 सेंटीमीटर के काले गमले में लगाया जाता है। इस पौधे को ट्रेड मी नाम की कंपनी ने बेचा है उसकी प्रवक्ता रूबी टॉपजेंड ने कहा कि अगस्त के शुरुआत में इसकी सबसे ऊंची कीमत 6500 डॉलर्स यानी 4.77 लाख रुपये गई थी। लेकिन अगस्त के अंत में इसे एक खरीदार ने 5.98 लाख रुपये में खरीद डाला। इस पौधे की मांग अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी है। इसे खरीदने वाले लोग इस पौधे को बच्चे की तरह संभालते हैं। पौधा बेचने वाले ने ट्रेड मी साइट पर लिखा था कि इस पौधे में वर्तमान में हर पत्ती पर चटक पीले रंग की पत्तियों के साथ 4 पत्तियां हैं। हरे रंग की पत्तियां पौधों को प्रकाश संश्लेषण की सुविधा देती हैं। वहीं कम हरी या हल्की पीली पत्तियां उन्हें विकास और मरम्मत के लिए आवश्यक शक्कर का उत्पादन करती है। पूरी तरह से हरे रंग के तने पर कुछ परिवर्तनशील पत्तियां इस बात की गारंटी नहीं देती हैं कि भविष्य में ये कितनी तेजी से और किस तरह से बढ़ेगी।

जापान में तूफान को लेकर 22000 सैनिक अलर्ट पर

टोक्यो । जापान में अगले कुछ दिनों के दौरान प्रचंड तूफान हैशेन के दक्षिण-पश्चिम तट से टकराने की आशंका को देखते हुए सेना के 22,000 जवानों को पूरी तरह से सतर्क रहने को कहा गया है। रक्षा मंत्री तारो कोनो ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा,''अगर कुछ होता है, तो आत्म-रक्षा बलों के 22,000 जवान पूरी तरह से सतक हैं। आत्म-रक्षा बलों को अपनी सारी शक्ति एकत्र करनी चाहिए और किसी भी चीज के लिए तैयार रहना चाहिए। इससे पहले दिन में जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि तूफान के कारण उच्च लहरें उठ सकती हैं जो कि सुनामी जैसी हो सकती हैं। हैशेन के केंद्र में वायु मंडलीय दबाव 920 हेक्टोपास्कल है जबकि इसकी पवन ऊर्जा 180 किलोमीटर प्रति घंटे और वायु वेग 252 किलोमीटर प्रति घंटे है।उम्मीद है कि तूफान रविवार या सोमवार को जापान के क्यूशू द्वीप से टकराएगा। दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी जापान में लगभग 100 उड़ानें शनिवार को आंधी-तूफान की आशंका के कारण रद्द कर दी गई हैं। उम्मीद है कि तूफान रविवार या सोमवार को जापान के क्यूशू द्वीप से टकराएगा। दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी जापान में लगभग 100 उड़ानें शनिवार को आंधी-तूफान की आशंका के कारण रद्द कर दी गई हैं।

कनाडा में 4 रिश्तेदारों की हत्या के बाद हमलावर ने खुद को मारी गोली

ओशावा। टोरंटो के पूर्व में स्थित ओन्टारियो के एक घर में बंदूकधारी ने शुक्रवार की देर रात अपने चार रिश्तेदारों की हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार कर खुदकुशी कर ली। कनाडाई पुलिस ने कहा कि मैनीटोबा में विन्निपेग के माइकल लापा (48) के रिश्तेदार ओन्टारियो के ओशावा में रहते थे। उसने अपने रिश्तेदारों को गोली मारने के बाद आत्महत्या कर ली। इस हमले को उसने अकेले अंजाम दिया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि गोलीबारी के पीछे के कारण की जांच की जा रही है। घर से गोली चलने की आवाज आने बाद रात करीब एक बजकर 20 मिनट पर पुलिस को सूचित किया गया। मृतकों में चार पुरुष और एक महिला शामिल है जिनमें से दो की उम्र 18 वर्ष से कम है। कांस्टेबल जॉर्ज टुडोस ने बताया कि घर से गोली लगने की वजह से जख्मी 50 वर्षीय एक महिला मिली है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रूस की कोरोना वैक्सीन कसौटी पर खरा उतरी, दुनिया में इसी साल टीकाकरण की उम्मीद बढ़ी

इंटरनेशनल डेस्क।

रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन पर्याप्त एंटीबॉडी के साथ प्रतिरोधी क्षमता पैदा करने में सफल रही है। इससे दुनिया में इसी साल टीकाकरण होने की संभावना प्रबल हो गई है। प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लैंसेट ने शुक्रवार को बताया कि अध्ययन में कोविड का यह टीका खरा उतरा है। टीके से उत्पन्न एंटीबॉडी वैसी ही है, जैसी कि कोविड-19 से इलाज के बाद स्वस्थ मरीजों में दिखती है। वायरस से लड़ने वाली टी सेल की प्रतिक्रिया भी उत्साहजनक रही है। रूस में कोरोना वैक्सीन के परीक्षण पूरे करने के पहले टीकाकरण को लेकर उठ रही आशंकाएं निर्मूल साबित होती दिख रही हैं। रूस अक्तूबर से बड़े पैमाने पर स्पूतनिक वी का टीकाकरण शुरू करेगा। 20 देशों (तुर्की, फिलीपींस आदि) से एक अरब खुराक का करार किया है और रूस उत्पादन को लेकर भारत के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संपर्क में है। दरअसल, रूस ने पहले दो चरणों के मानव परीक्षण पूरे करने के बाद 11 अगस्त को टीके के मानकों पर खरा उतरने और टीकाकरण शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि रूस के पहले दो चरणों के परीक्षणों का ड्ब्ल्यूएचओ या किसी अन्य प्रतिष्ठित संस्था ने निरीक्षण नहीं किया। ऐसे में टीके पर दुनियाभर की वैज्ञानिक संस्थाओं ने संदेह जाहिर किया था। रूस का गामेलया रिसर्च इंस्टीट्यूट 40 हजार वालंटियर पर टीके के तीसरे चरण का परीक्षण भी कर रहा है। हालांकि, जोखिम वाले समूहों को पहले ही टीका दिया जा रहा है। लैंसेट की रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर रूसी टीके पर पहली मुहर है। लैंसेट ने पाया कि पहले दो चरण में टीका लेने वाले 76 वालंटियर में पर्याप्त एंटीबॉडी पैदा हुईं और इसने कोविड-19 वायरस को बेअसर कर दिया। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रापिकल मेडिसिन के वैज्ञानिक ब्रेंडन रेन ने कहा कि यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन हमें तीसरे चरण के परीक्षण का इंतजार करना होगा।

टेप में खुलासा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने की थी भारतीय महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी

न्यूयॉर्क।

हाल ही में गोपनीयता कानून के दायरे से बाहर होने के बाद सार्वजनिक किए गए व्हाइट हाउस के टेपों से खुलासा हुआ है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन बहुत उपेक्षा के भाव से भारतीयों के बारे में बात कर रहे हैं और उनके तथा उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंगर की कट्टरता ने उनके राष्ट्रपति रहते हुए भारत और दक्षिण एशिया के प्रति अमेरिका की नीतियों को किस रूप में प्रभावित किया। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रिंस्टन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गैरी बास ने लिखा है, ''ऐसे में जबकि अमेरिकी नस्लवाद और सत्ता की समस्याओं से जूझ रहे हैं, हाल ही में सार्वजनिक किए गए व्हाइट हाउस के टेप राष्ट्रपति रिचर्ड एम. निक्सन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंगर की कट्टरता का जीता-जागता उदाहरण हैं। बास ने ''द टेरीबल कॉस्ट ऑफ प्रेसिडेंशियल रेसिज्म (राष्ट्रपति के नस्लवाद की भयावह कीमत) शीर्षक से यह स्तंभ लिखा है। 'द ब्लड टेलीग्राम : निक्सन, किसिंगर एंड ए फॉरगॉटन जेनोसाइड पुस्तक के लेखक बास ने अपने स्तंभ में लिखा है, ''इन टेपों में रिकॉर्ड पूरी बात खुलासा करती है कि श्रीमान निक्सन के कार्यकाल में दक्षिण एशिया की ओर अमेरिकी नीतियां किस तरह भारतीयों के लिए उनकी घृणा और लैंगिक विकर्षण से प्रभावित हुईं। निक्सन रिपब्लिकन पार्टी के थे और वह 1969 से 1974 तक अमेरिका के 37वें राष्ट्रपति रहे। बास का कहना है कि सार्वजनिक कए गए टेपों से निक्सन, किसिंगर और व्हाइट हाउस के तत्कालीन चीफ ऑफ स्टाफ हेल्डमैन के बीच जून 1971 में ओवल ऑफिस में हुई बातचीत रेकॉर्ड है जिनमें निक्सन बेहद ''विषाक्त लहजे में कह रहे हैं कि भारतीय महिलाएं ''निस्संदेह दुनिया में सबसे अनाकर्षक हैं। टेपों के अनुसार, निक्सन ने भारतीयों को ''सबसे सेक्सलेस (यौन संबंधों की इच्छा न रखने वाले), ''तुच्छ और ''दयनीय बताया है। बास लिखते हैं, ''चार नवंबर, 1971 को भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, तत्कालीन विश्व की दुलर्भ महिला नेता, के साथ विवादास्पद व्हाइट हाउस शिखर सम्मेलन से एक निजी अवकाश के दौरान राष्ट्रपति ने किसिंगर से भारतीयों के प्रति अपनी यौन विरक्ति के बारे में बात की। भारतीयों का संदर्भ देते हुए निक्सन ने किसिंगर से कहा, ''मेरे लिए, वो मेरी यौन उत्तेजना को शांत कर देते हैं। हेनरी, मुझे बताओं, आखिर वे दूसरे लोगों की यौन उत्तेजना कैसे बढ़ाते हैं। इसके साथ ही बास लिखते हैं इसबीच किसिंगर लगभग ना सुने जा सकने वाले स्वर में प्रतिक्रिया देते हैं ।

''इसने राष्ट्रपति को उनके विषय से भटकाया नहीं। वहीं नवंबर, 1971 में किसिंगर और विदेश मंत्री विलियम रॉजर के साथ भारत-पाकिस्तान तनाव पर चर्चा के बीच में, जब रॉजर (इंदिरा) गांधी को धमकाने की बात कर रहे हैं, राष्ट्रपति बोलते हैं, ''मुझे समझ नहीं आता कि वे संतानोत्पति कैसे करते हैं।

रूस से रवाना होकर तेहरान पहुंचेगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रूस से लौटते वक्त अचानक ईरान पहुंच गए। पूर्वोत्तर में चीन और पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान के नापाक मंसूबों की वजह से भारत के रक्षा मंत्री की ईरान की यात्रा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कूटनीतिक को संकेतों का खेल कहा जाता है और ऐसा ही एक संकेत मॉस्को में मिला था, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई संगठन की बैठक में पहुंचे थे। इस दौरान चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंगे भी वहां मौजूद थे लेकिन चीन की सबसे ज्यादा बेचैनी भारत को लेकर नजर आई। और वहां वो लगातार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को टकटकी लगाए देखते रहे। रूस के रक्षा मंत्री भी सामने की ओर देख रहे हैं। लेकिन पूरी बैठक के दौरान चीनी मंत्री फेंगे की निगाह भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की तरफ से नहीं हट रहीं थीं।मतलब साफ है कि चीन किस कदर भारत से बातचीत को बेताब है। यानि कल तक युद्ध की धमकी देने वाले चीन का ह्रदय परिवर्तन भारत की एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी माना जा सकता है मतलब साफ है कि चीन किस कदर भारत से बातचीत को बेताब है। यानि कल तक युद्ध की धमकी देने वाले चीन का ह्रदय परिवर्तन भारत की एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी माना जा सकता है गौरतलब है कि अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत और ईरान के बीच रिश्तों में कोई असर नहीं आया है। मोदी सरकार 2014 से लगातार ईरान को अहम सहयोगी मानकर काम कर रही है। लद्दाख सीमा पर चीन से तनाव के बीच बीजिंग ने जिस तरह पाकिस्तानी फौज को साजो-सामान मुहैया कराया है, इसलिए उसकी नापाक हरकतों को काउंटर करने के लिए की बातचीत गेमचेंजर साबित हो सकती है। इसलिए उसकी नापाक हरकतों को काउंटर करने के लिए आज की

चूहों में कोरोना वायरस संक्रमण रोकने में सफल रहा जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा विकसित टीका: अध्ययन

यरूशलम।

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन के साथ साझेदारी में विकसित कोविड-19 टीके के परीक्षण में पाया गया कि उससे ऐसे एंटीबॉडी बने जिनसे चूहों को नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाया जा सका। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। नेचर मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार इस टीके ने सीरियाई सुनहरे चूहों में मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाया और उन्हें निमोनिया जैसे अनेक रोगों तथा मौत से बचाया जा सका। जॉनसन एंड जॉनसन तथा बर्थ इजराइल डीकोनेस मेडिकल सेंटर (बीआईडीएमसी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित टीके में सामान्य सर्दी जुखाम के वायरस च्एडिनोवायरस सीरोटाइप 26 (एडी26) का इस्तेमाल किया गया है। बीआईडीएमसी सेंटर फॉर वायरोलॉजी एंड वैक्सीन रिसर्च के निदेशक डैन बरूच ने कहा, हमने हाल ही में देखा कि एडी26 आधारित सार्स-सीओवी-2 टीके ने बंदरों के अंदर मजबूत सुरक्षा प्रणाली विकसित की और अब इसका परीक्षण मनुष्यों पर किया जा रहा है। एडी26 आधारित सार्स-सीओवी-2 टीके ने बंदरों के अंदर मजबूत सुरक्षा प्रणाली विकसित की और अब इसका परीक्षण मनुष्यों पर किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा, हालांकि बंदरों को सामान्य रूप से अधिक गंभीर बीमारियां नहीं होतीं, और इसलिए यह अध्ययन करना जरूरी था कि क्या यह टीका चूहों को गंभीर निमोनिया और सार्स-सीओवी-2 से मौत से बचा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत को आंख दिखा रहे चीन को राजनाथ सिंह को चेतावनी- सीमा से पीछे हटानी ही होगी सेना

नेशनल डेस्क।

भारत ने चीन से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उसे पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे हटा कर यथा स्थिति कायम करनी होगी। भारत ने कहा कि वह स्थिति को सामान्य बनाने के लिए बातचीत का पक्षधर है लेकिन किसी को इस बात पर तनिक भी संदेह नहीं होना चाहिए कि भारतीय सैनिक देश की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में पिछले करीब चार महीने से सीमा पर चल रही तनातनी के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार रात रूस की राजधानी मास्को में चीनी रक्षा मंत्री जनरल वी फेंगही के साथ सवा दो घंटे से भी अधिक समय तक सीमा पर तनाव करने संबंधी उपायों और अन्य मुद्दों पर विस्तार से बात की। दोनों रक्षा मंत्री शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने मास्को गये हैं। एस सीओ की बैठक से इतर हुई इस बातचीत के दौरान दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे । सीमा पर चल रहे तनाव के दौरान राजनीतिक स्तर पर दोनों पक्षों के बीच यह पहली मुलाकात थी। चीनी रक्षा मंत्री के अनुरोध पर हुई यह बातचीत भारतीय समय के अनुसार रात साढे नौ बजे शुरू हुई और दो घंटे बीस मिनट तक चली।

बातचीत के लिए चीन के रक्षा मंत्री भारतीय रक्षा मंत्री के पास उनके होटल में पहुंचे। सिंह ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुए घटनाक्रम तथा गलवान घाटी की झड़प के बारे में चीन के सामने भारत का रूख स्पष्ट करते हुए कहा कि चीनी सैनिकों का जमावड़ा, उनका आक्रामक व्यवहार और यथा स्थिति बदलने की कोशिश दोनों देशों के बीच के द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन है। चीनी सैनिकों की गतिविधि दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक में हुई सहमति के अनुरूप भी नहीं है।

दिल्ली में ज्यादा कोरोना मामले आने की वजह अधिक संख्या में जांचः केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली में कोरोना का एक बार फिर प्रकोप बढने के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि वायरस की स्थिति नियंत्रण में है और जांच अधिक किये जाने से संक्रमण के मामलों में इजाफा हुआ है।केजरीवाल ने वीडियो कार्फेसिंग के जरिए आज मीडिया को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ज्यादा कोरोना मामले आने की वजह अधिक संख्या में जांच है। उन्होंने कहा, अगर हम जांच कम कर देते तो मामले कम हो जाते, लेकिन हमें आकड़ों की चिंता नहीं है। हमने जांच बढ़ा कर कोरोना पर हमला कर दिया है। दिल्ली में कल 68 दिन बाद सर्वाधिक 2914 मामले आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा उनकी सरकार का प्रयास रहा है कि कोरोना के कारण मृत्यु नहीं होनी चाहिए। कल मृतकों की संख्या गिरकर 13 रह गयी जो कुल मामलों का 0.4 प्रतिशत है। ये देश में सबसे कम है। उन्होंने कहा पूरे देश से लोग अपना इलाज कराने दिल्ली आ रहे है। यह दिल्ली के लिए बड़े गर्व की बात है कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी अच्छी हो गयी है कि देशभर के लोग हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास जता रहे है। देशभर के लोग हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास जता रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कोरोना नमूनों की जांच बढ़ाने के लिए बाजारों में और मोहल्ला क्लिनिक में भी जांच शुरू कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि 1600 से ज्यादा मरीज़ अस्पतालों में बाहर के हैं और 3300 मरीज दिल्ली के हैं। केजरीवाल ने कहा लेकिन मुझे आंकड़ों को नहीं आपकी सेहत को ठीक करना है। मरीजों की संख्या से घबराने के जरूरत नहीं है। जिस दिन मौत का आंकड़ा बढने लगेगा, उस दिन चिंता की बात होगी। उन्होंने कहा कि लोग संक्रमित तो हो रहे हैं, लेकिन ठीक होने वाली दर में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले 20 हजार जांच करते थे, जिसे बढ़ाकर 40 हजार कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा , जांच दुगनी करके हमने कोरोना पर हमला किया है। मुझे आंकड़ों की चिंता नहीं है, आपकी सेहत की चिंता है। उन्होंने कहा अगर दिल्ली में फिर से जांच कम कर दें तो मरीजों के आंकड़े भी कम हो जाएंगे। श्री केजरीवाल ने कहा 15 अगस्त से आज तक के आंकड़ो में मृत्यु दर एक प्रतिशत है।

कनाडा ने प्रो-खालिस्तान समूह का दावा किया खारिज

इंटरनेशनल डेस्क। कनाडा के लॉ इंफोर्समैंट यानि कानून प्रवर्तन ने खालिस्तान समर्थक अलगाववादी समूह, सिख फॉर जस्टिस या स्न्नछ्व द्वारा किए दावों को खारिज कर दिया। इस दावे में कहा गया था सशस्त्र पुरुषों ने पंजाब जनमत संग्रह 2020 नाम के अपने अलगाववादी कार्यक्रम से संबंधित मतदाता पंजीकरण अभियान को बाधित करने का प्रयास किया। 15 अगस्त को, जब स्थानीय स्न्नछ्व कार्यकर्ता टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के पास ड्राइव का संचालन करने के लिए आगे बढ़ रहे थे तो 8 लोगों को एक अज्ञात संबंधित नागरिक की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया था, और पांचों पर लोडेड हैंडगन होने के बाद आग्नेयास्त्र से संबंधित अपराधों के आरोप लगाए गए थे। एसएफजे ने आरोप लगाया था कि वाहन पर भारतीय तिरंगा लगा था और उनकी ड्राइव को इरादा तोड़फोड़ करने का था, और स्थानीय मीडिया में भी यह बताया गया।हालांकि, पील क्षेत्रीय पुलिस ने इस घटना का राजनीतिक एंगल होने से इंकार किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या इसका खालिस्तान समर्थक समूह के प्रस्तावित कार्यक्रम और एसएफजे द्वारा लगाए गए आरोपों से कोई संबंध है, पीआरपी के एक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें भारतीय एजेंट होने के संबंध में जानकारी नहीं मिली थी। एक अन्य पीआरपी प्रवक्ता ने इंडो-कैनेडियन वॉयस आउटलेट्स द्वारा राजनीतिक प्रकृति के खतरों का जिक्र करते हुए टिप्पणी की गई है।

ओडिशा से गुजरात जा रही मजदूरों से भरी बस रायपुर में ट्रक से टकराई, 8 की मौत

रायपुर। रायपुर में शनिवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे मजदूरों से भरी बस हादसे का शिकार हो गई। बस ओड़िशा से गुजरात जा रही थी तभी मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में छेरीखेड़ी के पास ट्रक से टकरा गई। ट्रक की टक्कर से बस सवार 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हो गए। इनमें 5 की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक भाग निकला। बस ड्राइवर की पहचान नहीं हो सकी है। बस में 75 लोग सवार थे। टक्कर के बाद बस की बॉडी टूटकर सड़क पर बिखर गई। सूचना मिलने पर एसएसपी समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। ओडिशा सरकार ने मरने वालों के परिजन को 2-2 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। जानकारी के अनुसार, ओडिशा के गुंजाम से मजदूर स्लीपर बस से गुजरात के सूरत जा रहे थे। यहां रायपुर में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के गेट के पास एक तेज रफ्तार ट्रक से बस की टक्कर हो गई। बस के एक तरफ से परखच्चे उड़ गए और वो यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ते हुए अंदर घुस गई। यहां से कुछ दूरी पर हाईवे पर पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम ने देखा तो मौके पर पहुंचे। सड़क पर खून ही खून बिखर गया। बताया जा रहा है कि बस की बॉडी एक तरफ से आधी अंदर दब गई थी।

भारत एकमात्र देश है, जो लॉकडाउन रणनीति का लाभ नहीं उठाता दिख रहा : चिदंबरम

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदबंरम ने देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि भारत एकमात्र देश है जो लॉकडाउन रणनीति का लाभ उठाता नहीं दिख रहा है। उन्होंने सितंबर के अंत तक भारत में कोविड-19 मरीजों की संख्या 65 लाख होने का अनुमान जताया। चिदंबरम ने सरकार पर यह हमला देश में कोविड-19 मरीजों की संख्या 40 लाख के पार पहुंचने पर किया। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार तक कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त होने वालों की संख्या बढ़कर 31,07,227 हो गई है। चिदंबरम ने कहा, मैंने 30 सितंबर तक संक्रमितों की संख्या 55 लाख होने का अनुमान जताया था। मैं गलत था। भारत 20 सितंबर तक ही उस आंकड़े पर पहुंच जाएगा और सितंबर के अंत संक्रमितों की संख्या 65 लाख तक पहुंच सकती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत एकमात्र देश है जो लॉकडाउन रणनीति का लाभ उठाता नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी ने 21 दिनों में कोरोना वायरस को हराने का वादा किया था और उन्हें

बताना चाहिए कि क्यों भारत असफल हुआ जबकि अन्य देश सफल होते दिख रहे हैं। एक अन्य ट्वीट में चिदंबरम ने अर्थव्यवस्था की हालत पर वित्त मंत्रालय पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके पास वित्तवर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में अभूतपूर्व नकरात्मक वृद्धि का उत्तर नहीं है। पूर्व वित्तमंत्री ने कहा, लेकिन वह भारत के लोगों को भ्रमित करने और फिर से विकास की रफ्तार पकडने के दावे के पुराने खेल के साथ सामने आया है।

चीन के साथ गतिरोध पर देश को विश्वास में लें प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री: सुरजेवाला

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह किया कि वह चीन के साथ चल रहे गतिरोध को लेकर देश को विश्वास में लें। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सवाल किया कि चीन के साथ विभिन्न स्तरों पर हुई बातचीत का नतीजा क्या निकला? उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा, राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को चीन के रक्षा मंत्री से बातचीत की। इससे पहले विदेश मंत्री ने अपने चीनी समकक्ष से बात की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अपने चीनी समकक्ष से दो बात की। राजदूत के स्तर पर कई बार बातचीत हुई। इन बातचीत का नतीजा क्या निकला? सुरजेवाला ने कहा, प्रधानमंत्री जी और रक्षा मंत्री जी, देश को विश्वास में लीजिए। यह बताइए कि चीन हमारी सरजमीं से कब्जा कब छोड़ेगा? चीन से कब आंखों में आंख में डालकर बात होगी? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने संवाददाताओं से कहा, हम आशा करते हैं कि सरकार पूरी वस्तुस्थिति से देश का अवगत कराएगी। सरकार के भीतर से ही कई बार विरोधाभासी बयान आते हैं जिससे चिंता होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीद भी करती है कि सरकार इस मामले का बातचीत से हल निकालेगी और देश की संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं होगा। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को मॉस्को में अपने चीनी समकक्ष वेई फेंघे से मुलाकात की। अधिकारियों बदलने की कोशिश की, जो द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन है।

अनुकूल मौसम और पौधों की वेराइटी कश्मीर में बादाम की पैदावार में करेगी इजाफा

श्रीनगर।

बडगाम जिला बादाम की पैदावार के लिए जाना जाता है। इस बार गुणवता में और भी इजाफा होगा और यह काम करेगा अनुकूल मौसम और पौधों की वेराइटी। पिछले वर्ष बादाम की पैदावार कम रही पर उम्मीद की जा रही है कि आने इस वर्ष में किसानों का घाटा पूरा हो जाएगा। एक किसान इरषाद अहमद ने बात करते हुये कहा, इस साल बादाम की गुणवता अच्छी है और फसल भी उम्दा है। फसल थोड़ी सी कम है पर क्वालिटी बढ़िया है। इस साल सिंचाई सुविधा भी है। कश्मीर का बादाम मशहूर है क्योंकि यह तेल से भरपूर होता है। अन्य किसान निसार अहमद ने कहा, इस साल बादाम की क्वालिटी बहुत ही उम्दा है। मीठे भी हैं और ग्राहक को कोई शिकायत नहीं रहेगी। लोगों को काम भी मिल रहा है क्योंकि फसल ही अच्छी होतो लाभ होता है। बता दें कि सीआईटीएच और सुकासट ने मिलकर इस बार बादाम के नये पौधे तैयार किये। उनका कहना है कि इन पौधों की फसल क्वालिटी की है। कश्मीर के युवाओं में बादाम का कारोबार मशहूर होता जा रहा है। युवा इसे रोजगार के रूप में अपना रहे हैं। हम आपको बात दें कि कश्मीर के बादाम ही नहीं बल्कि सेब, नाशपति, चेरी, अंगूर, अनार, शहतूत, आड़ू, अखरोट, खुमानी भी विश्व में मशहूर है। बादाम की ही बात करें तो उसमें विभिन्नता की कमी नहीं है। शालीमार, मकदूम, बारीस और कागजी, जैसे बादाम मशहूर हैं। सीआईटीएस के एक वैज्ञानिक डा जावेद के अनुसार इस बार हमारे पास 10 किस्म के बादाम हैं। यह छिलके के पतले और मीठे हैं।

चीनी रक्षामंत्री से मुलाकात पर ओवैसी का बीजेपी पर हमला, कहा- क्या मोर के साथ खेलने में व्यस्त हैं?

नई दिल्ली।

चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में पिछले करीब चार महीने से चली आ रही तनातनी के बीच एमआईएम प्रमुख हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आज मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया, मॉस्को में द्विपक्षीय बातचीत के बाद चीनी रक्षा मंत्री के बयान के 8 घंटे बाद भी हमारी सरकार की तरफ से कोई बयान अभी तक नहीं आया। क्या पीएम मोर के साथ खेलने में व्यस्त हैं? इससे पहले लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मीटिंग से पहले सवाल पूछते हुए कहा है था कि राजनाथ सिंह, क्या आप चीनी रक्षा मंत्री से बिना शर्त भारत के हिस्से का 1000 स्क्वैयर किलोमीटर जमीन खाली करने को कहेंगे? लद्दाख के जिस हिस्से पर चीनी सेना ने चार महीने पहले कब्जा कर लिया था. उन्होंने आगे कहा कि या फिर आप पीएमओ (प्रधानमंत्री ऑफिस) को फॉलो करते हुए कहेंगे कि हमारी सीमा में कोई नहीं घुसा है। हमें यह जानने का हक है। वहीं भारत ने चीन से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उसे पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे हटा कर यथा स्थिति कायम करनी होगी और वह स्थिति को सामान्य बनाने के तनिक भी संदेह नहीं होना चाहिए कि भारतीय सैनिक देश की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। लेकिन किसी को इस बात पर तनिक भी संदेह नहीं होना चाहिए कि भारतीय सैनिक देश की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। लेकिन किसी को इस बात पर तनिक भी संदेह नहीं होना चाहिए कि भारतीय सैनिक देश की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में पिछले करीब चार महीने से सीमा पर चल रही तनातनी के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार रात रूस की राजधानी मास्को में चीनी रक्षा मंत्री जनरल वी फेंगही के साथ सवा दो घंटे से भी अधिक समय तक सीमा पर तनाव करने संबंधी उपायों और अन्य मुद्दों पर विस्तार से बात की। दोनों रक्षा मंत्री शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने मास्को गये हैं। एस सीओ की बैठक से इतर हुई इस बातचीत के दौरान दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सीमा पर चल रहे तनाव के दौरान राजनीतिक स्तर पर दोनों पक्षों के बीच यह पहली मुलाकात थी।

ऑफ द रिकॉर्डः मोदी गमछा नहीं, मास्क करता है सुरक्षा

नई दिल्ली। कोरोना से जंग में मास्क और 2 गज की दूरी ही एकमात्र बचाव है। ऐसे में मास्क को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं कि कौन सा मास्क ठीक है और कौन सा नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गले के गमछे को ही मास्क के रूप में मुह पर रख लेते हैं। ऐसे में लोगों के बीच चर्चा यह है कि हमारे मास्क नहीं पहनने पर कार में अकेले बैठे रहने पर भी पुलिस चालान काट रही है। आई.आई.टी. दिल्ली के टैक्सटाइल विभाग में असिस्टैंट प्रोफैसर और कोरोना से बचाव के लिए 'कवच मास्क' बनाने वाली टीम के हैड डा. बिपिन कु मार का कहना है कि जिस मास्क में एयर फिल्टर लगा हो और कपड़े का बना हो, वही सुरक्षित है। गमछा, सर्जिकल मास्क और वॉल्व लगे मास्क सुरक्षित नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी यही सलाह है कि वह गमछे के स्थान पर आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा मेक इन इंडिया मुहिम के तहत बनाए गए 45 रुपए कीमत वाले 'कवच मास्क' को पहनें। कोरोना वायरस का आकार 0.3 माइक्रोन यानि एक एम.एम. के भी एक हजारवें हिस्से से छोटा कण होता है। सही मास्क सूक्ष्म वायरस को मुंह और नाक के जरिए आपके शरीर में नहीं पहुंचने देता जबकि गमछा कोरोना के ड्रॉपलैट से संक्रमण फैलाने वाले वायरस को रोकने में सक्षम नहीं है। गमछे के कपड़े में बहुत बड़े होल होते हैं। डा. बिपिन कुमार ने कहा कि सर्जिकल मास्क केवल सर्जरी के लिए होते हैं। वह ऑप्रेशन करते समय खून के छींटें मुंह पर न लगें, उससे बचने के लिए पहना जाता है। वॉल्व वाले मास्क से कोरोना संक्रमित व्यक्ति सांस छोड़ता है तो उसके ड्रापलैट बाहर आते हैं। इसलिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उसके इस्तेमाल को गलत बताया है। एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि थ्री लेयर कपड़े से बने मास्क पार्टिकल्स को रोकने में सहायक हैं, इसलिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से थ्री लेयर मास्क पहनने की सलाह दी गई है लेकिन इनकी फिटिंग मुंह और नाक को अच्छे से ढकने वाली होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कंगना को लेकर नरम पड़े संजय राउत, बोले- मेरी उनसे कोई निजी दुश्मनी नहीं

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के साथ चल रहे वाक युद्ध में शिवसेना नेता संजय राउत कुछ नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। राउत का कहना है कि कंगना से उनकी कोई निजी दुश्मनी नहीं है। यह शिवसेना का मुद्दा नहीं है, महाराष्ट्र के मसले पर हमने अपनी बात रखी है। एक चैनेल से बातचीत में संजय राउत ने कंगना को नसीहत देते हुए कहा कि यह महाराष्ट्र का विषय था, उन्हें अपने ट्विटर हैंडल का उपयोग खुद करना चाहिए। कंगना को किसी राजनीतिक पार्टी को अपने ट्विटर हैंडल का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। दरअसल बॉलीवुड अभिनेत्री ने मुंबई शहर और पुलिस को लेकर हाल ही में कथित टिप्पणियां की थीं, जिनको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कंगना ने कहा था कि उन्हें उन लोगों से अधिक मुंबई पुलिस से डर लगता है, जिन्हें वे मूवी माफिया कहती हैं। इस पर संजय राउत ने कथित तौर पर कंगना को कहा था कि अगर उन्हें मुंबई पुलिस से डर लगता है तो उन्हें यहां नहीं आना चाहिये। कंगना ने राउत के इस बयान से जुड़ी एक खबर को टैग करते हुए ट्वीट किया था कि मुंबई पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर क्यों लगने लगी है ? कंगना ने कहा था कि उन्हें बॉलीवुड में ड्रग माफिया का पर्दाफाश करने के लिये हरियाणा या हिमाचल प्रदेश पुलिस की सुरक्षा चाहिये और वह मुंबई पुलिस की सुरक्षा स्वीकार नहीं करेंगी। उनकी इन टिप्पणियों की महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा ने आचोलना की है।

स्कूल बिल्डिंग में मिला बम निकला नकली, आसामाजिक तत्वों की निकली शरारत

भिण्ड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के मेहगांव के टी.डी.एस. स्कूल में मिला बम नकली निकला। छानबीन में जुटी पुलिस ने बताया कि यह असामाजिक तत्वों की शरारत थी। भिंड स्क्ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि वह कोई बम नहीं था। प्लास्टिक का पाईप काट कर बम नुमा बनाया गया था। जो बम के डिजाइन का लग रहा था। उसके अंदर किसी भी तरह का कोई ज्वलनशील पदार्थ और पावर सोर्स नहीं था। इसमें मिट्टी भरी हुई थी। मामले में खुलासा होने के बाद पुलिस और लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि यह शरारत किसकी है अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। स्कूल के सीसीटीवी कैमरे खराब होने के चलते आरोपियों तक पहुंचने में समय लग सकता है। बता दें कि मेहगांव में नेशनल हाईवे के किनारे स्थित टीडीएस स्कूल में शनिवार सुबह बम मिलने से हड़कंप मच गया था। बम के साथ एक धमकी भरी चिट्ठी भी मिली थी जिसमें 7 स्कूलों को उड़ाने की धमकी दी गई थी। पुलिस ने आसपास से लोगों को हटा कर मामले की जांच शुरु की थी।

शिक्षक दिवस पर युवाओं ने लगाई 12 किलोमीटर लंबी दौड़

कठुआ । शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में बरवाल एथलीट क्लब द्वारा 12 किलोमीटर लंबी दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं ने दौड़ लगाकर शिक्षकों को सम्मान दिया। युवाओं ने कहा कि यह दौड़ एक तरह से राष्ट्र के तमाम शिक्षकों को समर्पित है। शिक्षक वर्ग ने राष्ट्र का निर्माण किया है। ऐसे में इस तरह के आयोजन से वे तमाम शिक्षकों, गुरुओं को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही वे दौड़ के माध्यम से युवाओं को भी संदेश देना चाहते हैं कि वे फिट रहने के लिए इस तरह के आयोजनों में भाग लें।

कठुआ शहर के वार्ड 19 में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के मकसद से वितरित की दवाईयां

कठुआ । लोगों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के मकसद से आयुष विभाग द्वारा दवाओं का वितरण किया गया। शहर के वार्ड नं.-19 में आयोजित शिविर के

दौरान आदियोगी स्वामी गौतम जी महाराज , नगर परिषद अध्यक्ष नरेश शर्मा, पार्षद राहुल देव ने लोगों में दवाओं का वितरण किया। आयुष विभाग के डाक्टरों ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कोविड 19 की महामारी से बचाव के लिए हर वर्ग जागरूकता दिखाए और मास्क के इस्तेमाल एवं सोशल डिस्टैंसिंग का विशेष ध्यान रखे।

अधिकारिक भाषा में पंजाबी को शामिल किया जाए : फ्रंट

कठुआ । जम्मू कश्मीर में अधिकारिक भाषाओं में पंजाबी को शामिल न किए जाने का विरोध जारी है। नेशनल सिक्ख फ्रंट ने सरकार से पंजाबी को शामिल करने की मांग की है। कठुआ में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए प्रधान गुरमीत सिंह ने कहा कि अन्य पांच भाषाओं को अधिकारिक भाषा में शामिल किया गया लेकिन पंजाबी की सरकार ने अनदेखी करते हुए इसे शामिल नहीं किया है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिक्ख समाज पूरे प्रदेश में अब मांग कर रहा है कि पंजाबी भाषा को भी अधिकारिक तौर पर शामिल किया जाए। ऐसे में सरकार को उनकी जायज मांग पर गौर करना होगा।

कोरोना वायरस संक्रमण के कारण बुलेट ट्रेन परियोजना के 2023 में पूरा होने पर संशय

नई दिल्ली। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के समय पर पूरा होने में विलंब हो सकता है क्योंकि महामारी के चलते भूमि अधिग्रहण के काम में देरी हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परियोजना का काम दिसंबर 2023 में पूरा होना प्रस्तावित है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन ने पहले ही परियोजना के लिए 63 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया है जिसमें गुजरात में लगभग 77 प्रतिशत भूमि, दादर नगर हवेली में 80 प्रतिशत और महाराष्ट्र में 22 प्रतिशत भूमि शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र के पालघर और गुजरात के नवसारी जैसे इलाकों में अभी भी भूमि अधिग्रहण से जुड़े कुछ मुद्दे हैं। अधिकारियों ने कहा कि पिछले साल कंपनी ने नौ लोक निर्माण टेंडर मंगवाए थे लेकिन इन्हें कोरोना वायरस महामारी के कारण खोला नहीं जा सका। लेकिन इन्हें कोरोना वायरस महामारी के कारण खोला नहीं जा सका।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानव तस्करी का पर्दाफाश कर पुलिस ने 6 नाबालिग समेत 30 लड़कियों को छुड़ाया

सूरत पुलिस ने नवसारी पुलिस के साथ मिलकर मानव तस्करी का पर्दाफाश कर पलसाणा क्षेत्र की झिंगा फैक्ट्री से 6 नाबालिग समेत 30 लड़कियों को मुक्त कराया। पुलिस को सूचना को लाकर काम कराया जाता है। जिसमें नाबालिग बच्चियां भी शामिल हैं।

सूचना के आधार पर नवसारी और सूरत पुलिस ने फैक्ट्री में छापा मारकर 6 नाबिग 24 वयस्क

जांच में पता चला कि एक महीने पहले मंजूबेन नामक महिला झारखंड से लड़कियों को सिलाई काम सिखाने के लिए पलसाणा के माखीनगा गांव की झिंगा फैक्ट्री में लाई थी।

मिली थी कि सूरत के पलसाणा के माखीनगा गांव की झिंगा फैक्ट्री में झारखंड से लड़कियों युवतियों समेत कुल 30 लड़कियों को मुक्त करवाया और सूरत महिला सुरक्षा केन्द्र में भेज दिया।

पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में मंजूबेन को गिरफ्तार कर लिया है।

सूरतः एसएमसी कर्मचारियों ने दफ्तर में शराब पार्टी किया, वीडियो वायरल हुआ

सूरत महानगर पालिका के कर्मचारियों ने ड्यूटी पर शराब पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद कमिश्नर ने तत्काल कार्रवाई की,

गुजरात में शराब पर प्रतिबंधित होने के बाद भी क्या मिलते हैं यह शराब ?

सूत्रों से मिली जानकारी से यह भी पता चला हैं,

की यह सिर्फ नमूना हैं, अधिकारी के पास काम निकलने के लिये कई लोगों ने शराब के सिवाय होटलों में पार्टी का आयोजन भी किया गया हैं,

जिसमें लोकडाउन होने के बाद यह पार्टी आज कल घरों में चल रही हैं

दक्षिण अफ्रीका में फिर एक बार गुजराती पर हमला, लूट का निष्फल प्रयास

भरुच (एजेसी) दक्षिण अफ्रीका में फिर एक बार गुजराती पर हमले की घटना सामने आई हैं। दक्षिण अफ्रिका के वेन्डा में चार अश्वेत लुटेरों ने गुजराती व्यापारी पर हमला कर लूट का निष्फल प्रयास कियां।

हमले में घायल गुजराती व्यापारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक दक्षिण गुजरात के भरुच के देवला गांव के मूल निवासी इमरान लालसा पिछले 10 साल से दक्षिण अफ्रीका के वेन्डा शहर में रहते हैं।

वेन्डा शहर में हार्डवेयर की दुकान चला रहे इमरान लालसा अपनी दुकान बंद कर घर की ओर रवाना हो रहे थे, उस वक्त चार अश्वेत लुटेरे उनके पास पहुंच गए। कार में बैठे इमरान पर दो लुटेरों ने पिस्तौल तान दी और लूटने का प्रयास किया। लेकिन इमरान के प्रतिकार करने पर लूट में अश्वेत सफल नहीं हुएं।

हांलाकि इस दौरान हुई गोलीबारी में इमरान घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा हैं। वेन्डा शहर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की सीमा पर स्थित है, जहां बड़ी संख्या में गुजराती रहते हैं। 70 हजार की आबादी वाले वेन्डा शहर करीब 20 हजार जितने गुजराती रहते हैं, जो गुजरात के अलग अलग शहरों से आकर बसे हैं।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शिक्षक कल्याण निधि में दिया योगदान

अहमदाबाद शिक्षक दिवस के मौके पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुरुजनों का सामाजिक दायित्व का ऋण

स्वीकार करते हुए शिक्षक कल्याण निधि में अपना योगदान दिया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शिक्षक कल्याण निधि फंड एकत्र करने का अभियान कराते हुए राज्य के नागरिकों से उदार हाथों से अपना योगदान देने का अनुरोध कियां। इस मौके पर गांधीनगर जिला कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी, जिला शिक्षाधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहें।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी शिक्षक कल्याण निधि में अपना योगदान दिया। शनिवार सुबह गांधीनगर स्थित स्कूल के बच्चे शिक्षक कल्याण निधि में स्वैच्छिक योगदान लेने के लिए मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने उनके साथ सहज संवाद कर गुरुजनों के प्रति उनके आदरभाव और सम्मान का आदान–प्रदान किया।

इस मौके पर जिला कलक्टर कुलदीप आर्य, जिला विकास अधिकारी शालिनी दुहान, जिला शिक्षणाधिकारी वाढेर और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

7 सितंबर से अहमदाबाद में दौड़ेगी मेट्रो रेल, सैनिटाइज प्रक्रिया तेज

अनलॉक 4 में मेट्रो रेल चलाने की मंजूरी मिलने के बाद 7 सितंबर से अहमदाबाद में यह सेवा शुरू हो जाएगीद्य अहमदाबाद में केवल एक ही रूट पर मेट्रो रेल चलती है जो आगामी सोमवार से चलने लगेगीद्य मेट्रो ऑथोरिटी द्वारा को. विड गाइडलाइन जारी की गई है,

जिसका कड़ाई से अमल किया जाएगाद्य अहमदाबाद के वस्त्राल से एपरल पार्क रूट पर मेट्रो रेल शुरू होने से पहले की कार्यवाही शुरू कर दी गई हैं। ट्रेन, स्टेशन समेत सभी जगहों को सैनिटाइज किया जा रहा है। ट्रेन कोच में सोशल डिस्टेसिंग के स्टीकर भी लगाए जा रहे हैं ।

ट्रेन में दो यात्रियों के बीच एख सीट खाली रहेगी। मेट्रो स्टेशन पर कोरन्टाइन रूम भी बनाया गया है, ताकि आनेवाला यात्रियों को तुरंत वहां ले जाया जा सके। जरूरत होने पर यात्री का अस्पताल भी ले जाया जाएगा।

भाजपा ने डाकोर नगर पालिका के 7 सदस्यों को किया पार्टी से सस्पैंड

अहमदाबाद पार्टी व्हीप का अनादरण करने पर भाजपा ने डाकोर नगर पालिका के 7 सदस्यों को सस्पैंड कर दिया। डाकोर नगर पालिका के प्रमुख और उप प्रमुख के चुनाव में भाजपा सदस्यों ने निर्दलीय महिला प्रमुख के पक्ष में मतदान किया था। खेडा जिले की 28 सदस्यों वाली डाकोर नगर पालिका में भाजपा के 11 और 17 निर्दलीय हैं। पिछली अवधि में 7 निर्दलीय सदस्यों की मदद से भाजपा ने नगर पालिका की बागडोर संभाली थी। दूसरी टर्म में 7 में से 3 सदस्यों ने निर्दलीय के पक्ष में वोट दिया और निर्दलीय महिला उम्मीदवार प्रमुख बन गई। आज भाजपा व्हीप का अनादर कर निर्दलीय के पक्ष में मतदान करने पर भाजपा ने 7 सदस्यों को पार्टी से सस्पैंड कर दिया। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन 7 सदस्यों में से एक को इस बार उप प्रमुख मेन्डेट दिया गया था और वह निर्विरोध चुने गए थे। लेकिन निलंबन के बाद उन्हें उप प्रमुख का पद भी गंवाना पड़ा।

44 शिक्षकों को राज्य अवॉर्ड से राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की प्रेरक उपस्थिति में शिक्षक

इमारतों के निर्माण से नहीं, संस्कार परक शिक्षा से होता है राष्ट्र का निर्माणः राज्यपाल

दिवस के अवसर पर शनिवार को गांधीनगर में राज्य के 44 शिक्षकों को उनकी उत्कृष्टता के लिए श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक के राज्य सम्मान से सम्मानित किया। राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी एवं मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस राज्य पारितोषिक विजेता 44 श्रेष्ठ शिक्षकों को शॉल, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को समाज की भावी पीढ़ी और शिक्षित व दीक्षित समाज के निर्माता के तौर पर नवाजते हुए कहा कि आज जब हर कोई पहले अपने करियर का विचार करता है, तब शिक्षक समुदाय स्व का नहीं समष्टि का विचार कर शिक्षा–दीक्षा से सुसज्जित भावी पीढ़ी के निर्माण के नोबल प्रोफेशन की गरिमा बढ़ाता है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शिक्षक दिवस पर श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक विजेता शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि व्यक्ति के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के माध्यम से शिक्षक ज्ञान–संपन्न और संस्कारवान नागरिकों का निर्माण करता है।

राज्यपाल ने कहा कि किसी राष्ट्र का निर्माण महलों या इमारतों के निर्माण से नहीं बल्कि स्कूल की कक्षाओं में दी जाने वाली मानवता और संस्कार परक शिक्षा से होता है।

यदि शिक्षक प्रामाणिकता के साथ अपने लक्ष्य की सिद्धि के लिए पुरुषार्थ करे तो जीवन में सौ फीसदी परिवर्तन लाने में वह सक्षम होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक के कार्य के साथ ही ज्ञान साधना, संस्कार और संस्कृति का वैभव जुड़ा हुआ है। किसी भी व्यक्ति के जीवन में माता–पिता के बाद गुरुजनों के स्थान को श्रेष्ठ करार देते हुए उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे इस ईश्वरीय कार्य के लिए अगाथ पुरुषार्थ करें। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति में इस बात पर विशेष चिंतन किया गया है कि विद्यार्थी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ ही ज्ञान संपन्न और कौशलवान बने और मूल संस्कृति से जुड़ा रहे।

राज्यपाल ने शिक्षकों को ही नई शिक्षा नीति की सफलता का वाहक करार दिया और नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को तैयार रहने का आग्रह भी किया।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भविष्य के भारत के रोल मॉडल के रूप में गुजरात को आगे रखने और नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के आधार पर शिक्षा–दीक्षा विकसित कर

शिक्षा–दीक्षा से लैस भावी पीढ़ी के जरिए गुजरात को बनाएं रोल मॉडलः मुख्यमंत्री

राष्ट्रनिर्माण और वसुधा के कल्याण के गुण भावी पीढ़ी में विकसित करने की प्रेरणा शिक्षकों को दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही भावी पीढ़ी को विश्व की चुनौतियों का सामना करने को सक्षम बनाता है। विशेषकर प्राथमिक स्कूल के बच्चों के चरित्र और संस्कारों के निर्माण का उत्तम सेवा कार्य शिक्षकों को समाज में ऊंचा स्थान दिलाता है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने का दायित्व निभा रहे शिक्षक गरीब, श्रमिक और किसानों के बच्चों का सर्वांगीण निर्माण कर उसे शिक्षा–दीक्षा के आयुध से लैस करते हैं। रूपाणी ने कहा कि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले संपन्न वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने में जो सरलता रहती है,

वह ऐसे श्रमिक, गरीब और किसानों के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को देने में नहीं रहती, इसके बावजूद सरकारी स्कूलों के शिक्षकों ने इस सेवा कार्य को पूर्ण उत्साह के साथ कर रहे हैं। राज्य में निजी स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूलों के बेहतर बनने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब निजी स्कूलों में से सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने का 'रिवर्स ट्रेंड' शुरू हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के शिक्षा क्षेत्र में गत 4 वर्ष में टेक्नोलॉजी के भरपूर उपयोग, ज्ञानकुंज प्रोजेक्ट की सफलता में शिक्षकों के योगदान तथा ऑनलाइन हाजिरी जैसे आयामों से शिक्षा व्यवस्था में जबर्दस्त बदलाव आया है।

राज्यभर में गार्डन आज से खोले गए, हर दिन किया जाएगा सैनिटाइज

राज्यभर में लोगों के लिए गार्डन आज से खोल दिए गए हैं। अब सुबह और शाम वॉक और स्वास्थ्य प्रेमी गार्डन में जा सकेंगे। लोगों के लिए गार्डन खोलने से पहले पूरा सैनिटाइज किया गया हैं। गार्डन को प्रति दिन सैनिटाइज किया जाएगा और सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक गार्डन में पटेल के मुताबिक गार्डन खुलने के बाद दिन में दो बार सैनिटाइज किया जाएगा। साथ ही कोरोना गाइडलाइन का पालन उन सभी को करना होगा, जो गार्डन में आएंगे। गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की जाएगी। वडोदरा महानगर पालिका ने शहर के 116 गार्डन आज से खोल दिए खोल दिए गए हैंद्य गार्डन खुलने से आज सुबह से ही लोगों की चहल पहल शुरू हो गई। करीब 5 महीने बाद लोग मॉर्निंग वॉक के लिए गार्डन में पहुंचे। ऐसे में ना सिर्फ लोग अपनी सेहत अच्छी रखने के लिए वॉक और जॉगिंग करते दिखे बल्कि गार्डन में पशु पक्षी हैं उनको भी खाना डालते

आनेवाले लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। अहमदाबाद में गार्डन खोलने से पहले सैनिटाइज इत्यादि प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। शहर के सभी गार्डन की सफाई और मेन्टेनंस का काम किया गया। महानगर पालिका के गार्डन विभाग के चेयरमैन जिग्नेश हैं। अनलॉक 4 में गार्डन खोलने की मंजूरी से शहर के लोगों ने महानगर पालिका और सरकार के फैसले का स्वागत किया है। अहमदाबाद और वडोदरा के अलावा सूरत, राजकोट, जामनगर, गांधीनगर, भावनगर समेत सभी शहरों के गार्डन आज से लोगों के लिए हुए दिखे। कई महीनों बाद गार्डन में पहुंचे लोगों का कहना था कि कोरोना का खतरा तो है लेकिन घर में बैठे बैठे सेहत खराब हो रही थी।

कोरोना से बचने के लिए मास्क के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का हम पालनकर रहे हैं।

मुख्यमंत्री 8000 पदों के लिए तत्काल नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य सरकार की नौकरियों में भर्ती के मामले में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, गुजरात लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, पंचायत सेवा चयन बोर्ड, पुलिस, सामान्य प्रशासन विभाग और शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के महत्वपूर्ण आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को राज्य सरकार की सेवा में जुड़ने के अवसर मुहैया कराने के लिए भर्ती प्रक्रिया को तेजी से शुरू करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। इस उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में भी तत्काल समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी), गुजरात अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, पंचायत सेवा चयन बोर्ड, गृह एवं सामान्य प्रशासन विभाग को तत्काल स्तर पर भर्तियों का दौर आगे बढ़ाने का स्पष्ट निर्देश दिया है। इस संदर्भ में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा किए गए निर्णयों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी हो लेकिन परिणाम की घोषणा बाकी हो, ऐसी रिक्तियों की संपूर्ण प्रक्रिया अगले तीन से पांच महीने में पूरी कर ली जाएगी। राज्य सरकार की ओर से जिन विभिन्न भर्ती एजेंसियों और विभागों द्वारा पूर्व में दिए गए विज्ञापनों और जिन रिक्तियों के लिए प्राथमिक परीक्षा का पहला चरण पूरा हो गया था लेकिन अन्य चरण शेष रह गए थे, ऐसी 8000 रिक्तियों के लिए बाकी की प्रक्रियाएं जल्द पूरी कर तत्काल नियुक्ति पत्र देने के निर्देश उन्होंने दिए हैं। राज्य के रोजगार इच्छुक और होनहार युवाओं को सरकारी नौकरियों में समय पर और व्यापक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का रास्ता मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है। जिसके अनुसार, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती के लिएजिन रिक्तियों के विज्ञापन प्रकाशित हो चुके हैं, परन्तु परीक्षा नहीं ली गई है, ऐसी 9,650 रिक्तियों की भर्ती प्रक्रिया कोरोना कोविड–19 की स्थिति सामान्य होते ही शुरू कर देने का उन्होंने आदेश दिया है। रूपाणी के इस युवा रोजगार परक निर्णयों के चलते राज्य के लगभग 20,000 से अधिक युवाओं को अगले करीब पांच महीनों में सरकारी सेवा में नौकरी के अवसर मिलने लगेंगे। राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरियों में बड़ी संख्या में अवसर मुहैया कराने और गुजरात के प्रशासनिक तंत्र को उच्च गुणवत्ता युक्त टेक्नोसेवी मानवबल सुलभ कराने के मकसद से मुख्यमंत्री ने ये अहम निर्णय

लिए हैं। उल्लेखनीय है कि गुजरात एक विकासशील राज्य के तौर पर पूरे देश का अग्रिम राज्य है। इतना ही नहीं, पिछले दो दशकों से गुजरात ने रोजगार प्रदान करने के मामले में भी प्रथम स्थान हासिल किया है। पूर्व में कांग्रेस के शासनकाल के दौरान सरकारी नौकरियों की भर्ती पर प्रतिबंध होने के कारण राज्य के लाखों युवा बरसों तक सरकारी नौकरियों के अवसर से वंचित रहते थे। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के दूरदर्शी नेतृत्व में पारदर्शी और त्वरित तथा सरल भर्ती प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप गत चार वर्ष में साव लाख युवाओं को राज्य सरकार की नौकरियों में अवसर मिला है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार ने पहली बार 10 वर्षीय भर्ती कैलेंडर तैयार कर समयबद्ध भर्ती को सुनिश्चित किया है। पूर्व की सरकारों के दौरान जीपीएससी की परीक्षा लेने और उसके नतीजे घोषित करने में काफी लंबा वक्त बीत जाता था, जिससे युवा नौकरी के अवसर से वंचित रह जाते थे। इस समस्या का निवारण लाते हुए अब जीपीएससी भी भर्ती कैलेंडर के जरिए एक ही वर्ष की अल्पावधि में समयबद्ध और त्वरित प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन सहित भर्ती की तमाम प्रक्रियाएं पूरी कर देती है। मुख्यमंत्री ने अब इस भर्ती प्रक्रिया को ज्यादा सुदृढ़ और परिणाम उन्मुख के साथ ही समयबद्ध बनाकर राज्य के युवाओं को करियर निर्माण के उत्तम अवसर सुलभ कराए हैं। मुख्यमंत्री ने इन सभी भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध और निर्धारित आयोजन के अनुसार पूर्ण करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों, भर्ती एजेंसियों, जीपीएससी और अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड आदि को स्पष्ट आदेश भी दिए हैं। राज्य सरकार की नौकरियों में भर्ती के लिए किए गए मुख्यमंत्री के इस अनूठे आयोजन के चलते उच्च गुणवत्ता युक्त कुशल टेक्नोसेवी युवाधन राज्य सरकार की नौकरियों के जरिए जनता की सेवा के लिए उपलब्ध होगा। इन प्रयासों में मुख्यमंत्री द्वारा आज किया गया भर्ती प्रक्रिया का एक और निर्णय इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

वलसाड में देर रात भूकंप के चार झटकों से लोगों में दहशत

अहमदाबाद कोरोना महामारी और बारिश के बीच अब भूकंप के झटकों ने लोगों की नींद हराम कर दी है।

कच्छ और सौराष्ट्र के बाद अब दक्षिण गुजरात के वलसाड में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत है।

शुक्रवार की देर रात वलसाड जिले में 1.9 से लेकर 4.1 की तीव्रता के भूकंप के चार झटके महसूस किए गए।

ये झटके महाराष्ट्र के निकट वलसाड जिले में बहुमंजिला इमारतों में महसूस किए गए।

रात 11.41 बजे से 12 बजे के बीच भूकंप के चार झटके आएं। पहला झटका 11.41 बजे, दूसरा 11.48 बजे, तीसरा 11.55 और चौथा रात 12.05 बजे महसूस किया गया।

जिसके बाद सुबह 8 बजे तक और 6 झटकों ने लोगों की नींद हराम कर दीद्य भूकंप का केन्द्र बिन्दू महाराष्ट्र के पालघर के निकट होने का पता चला है। कोरोना और बारिश के भूकंप के झटकों ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

कोरोना महामारी और भूकंप के झटकों के बीच लोग जाएं तो जाएं कहां।

घर में रहकर कोरोना से बचते हैं तो भूकंप नहीं रहने देता और बाहर निकलें तो कोरोना मुंह फाड़े खड़ा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुपोषण रोकने यूपी में गाय पालने की योजना, हर महीने मिलेंगे 900 रुपए

लखनऊ (एजेसी)। कुपोषण रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विशेष पहल करते हुए निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में जो महिलाएं या बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, उनके घर में गाय उपलब्ध कराई जाए। हालांकि ये ऐच्छिक होगा। अगर वो परिवार गाय पालने का इच्छुक हो और उनके पास गाय रखने के लिए पर्याप्त जगह हो।

साथ ही गाय के भरण–पोषण के लिए हर महीने यूपी सरकार 900 रुपए भी देगी। दरअसल यूपी सरकार प्रदेश में कुपोषण कम करने की कोशिश कर रही है।

इसी के तहत सात सितंबर से 'पोषण माह' भी चलाया जा रहा है।

इस एक महीने में प्रदेश में अलग–अलग स्तर पर कुपोषित परिवारों पर ध्यान देने, पोषण आहार को लेकर जागरुकता फैलाने और कुपोषित परिवारों को ज़रूरी रिसोर्स उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा। सीएम ने छह महीने में कुपोषण की दर को एक फीसदी नीचे लाने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत गाय पालने को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार कुपोषण से जूझ रहे परिवारों को किचन गार्डन बनाने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी, ताकि उनको और उनके परिवार को पोषण वाले खाद्य पदार्थ मिल सकें। इसके अलावा एसएएम (सिवियर एक्यूट मालन्यूट्रिशन) बच्चों को चिह्नित भी किया जाएगा।

मार्च–2021 तक ये देखा जाएगा कि कौन सा जिला कुपोषण को कम करने में कैसा काम कर रहा है। इसके आधार पर जो जिला सबसे अच्छा काम करेगा, उसे पुरस्कार भी दिया जाएगा। 'न्यूट्रीशन ड्राइव' का अलग–अलग स्तर पर लगातार रिव्यू किया जाएगा। जिला स्तर पर हफ्ते–दर–हफ्ते रिव्यू किया जाएगा। मुख्य सचिव स्तर पर महीने–दर–महीने रिव्यू। और सीएम हर दो–दो महीने में रिव्यू करेंगे कि कुपोषण दूर करने का काम कैसा चल रहा।

इससे पहले चार सितंबर को योगी आदित्यनाथ ने वीडियो का. "न्फ्रेंसिंग के जरिये तमाम जिलों के ऐसे परिवारों से बात की, जिन्होंने कुपोषण को दूर करने के लिए अच्छा काम किया है।

बहराइच, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर और बाराबंकी जैसे जिलों के लोगों से बात की।

विचित्र बालक को देखने उमडी ग्रामीणों की भीड।

सासनी (एजेसी)। तहसील क्षेत्र के गांव गोपालपुर में एक महिला ने विचित्र बालक को जन्म दिया। जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड उमड पडी। जानकारी के अनुसार गांव गोपालनगर निवासी आस मोहम्मद की पत्नी तराना बेगम को प्रसव पीडा हुई तो उसे परिजन प्रसव के लिए सासनी निजी चिकित्सालय में लेकर आए।

जहां निजी चिकित्सक के यहां तराना ने एक ऐसे बच्चे को जन्म दिया। जिसे देख कर पहले तो परिजन डर गये, मगर बाद में अल्लाह का चमत्कार मानकर बच्चे को पालने के लिए तैयार हो गये। मगर बच्चे ने पैदा होने के कुछ ही देर बाद दम तोड दिया। जिससे तराना के परिजनों में कोहराम मच गया। उधर ग्रामीणों को जब दो सिर वाले बच्चे के पैदा होने की बात पता चली तो विचित्र बालक को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड जुट गई।

देर षाम परिजनों ने मृतक बालक के षव का अंतिम संस्कार कर दिया। विचित्र बच्चे के पैदा होने और उसकी मौत के बाद अब आस मोहम्मद के परिजनों में षोक की लहर छाई हुई है।

मूक बधिर महिला का संदिग्ध शव मिला

अलीगढ़ (एजेसी)। थाना चंडौस क्षेत्र के गांव ऊमरी में घर से जंगल में लकड़ी लेने निकली महिला का शव संदिग्ध हालात में बाजरे के खेत में पड़ा मिला। घटना को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हैं। ग्रामीणों ने महिला से दुष्कर्म की आशंका भी जतायी है। हालांकि पुलिस इससे इन्कार कर रही है। गांव की 45 वर्षीय मूक बधिर महिला के पति की करीब दो वर्ष पूर्व मौत हो चुकी है। महिला के स्वजनों के अनुसार शुक्रवार दोपहर के वक्त वह घर से लकड़ी लेने जंगल में गई थी। देर शाम तक घर न पहुंची तो स्वजनों ने तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान रात करीब आठ बजे महिला का शव बाजरे के खेत में संदिग्ध हालात में पड़ा मिला।

ग्रामीणों के अनुसार महिला के गले में साड़ी का फंदा लगा हुआ था और कपड़े भी अस्त व्यस्त थे। उन्होंने दुष्कर्म की आशंका जताते हुए कहा है कि दुष्कर्म में विफल होने या पहचाने जाने पर महिला की हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व इलाका पुलिस आ गई।

सरकारी कार्यालयों में पहुंचा वायरस 62 संक्रमित

मैनपुरी। (एजेसी) भोगांवः कोरोना काल में ड्यूटी करने सरकारी दफ्तरों में आ रहे कर्मचारियों पर संक्रमण का खतरा गहरा गया है। स्वास्थ्य विभाग के दो एमओआइसी, विकास भवन, लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों समेत 62 लोगों में कोरोना संक्रमण मिला है। जिले में कोरोना के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 1692 हो गई है।

कोरोना जांच कराने वाले बेवर सीएचसी के चिकित्साधीक्षक, मानपुरहरी पीएचसी के चिकित्सा

अधीक्षक के अतिरिक्त बेवर क्षेत्र में छह लोगों में संक्रमण मिला है। इनके अतिरिक्त जागीर क्षेत्र के बसावनपुर, एलाऊ, करहल क्षेत्र के गांव कटिहार, नगला खेड़ा, किशनी क्षेत्र में चार, कुरावली के नौरंगपुर में एक, शहर क्षेत्र के जय हॉस्पिटल, आश्रम रोड, अवध नगर, आगरा रोड, देवपुरा, सोतियाना, मोहन नगर, कटरा, यदुवंश नगर, गांव गरगई, नई बस्ती देवपुरा में नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। शहर के एक प्रतिष्ठित मिष्ठान विक्रेता के यहां काम करने वाले पांच कर्मचारी भी पॉजिटिव पाए गए हैं। इनके अतिरिक्त जागीर क्षेत्र के गांव मंछना, भोगांव के मु. हल्ला चौधरी में एक–एक कोरोना संक्रमित मिला है। नए मरीजों को सीएमओ डॉ. एके पांडेय, एसीएमओ डॉ. राजीव राय, जिला स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी रवींद्र सिंह गौर, डॉ. एसएन सिंह की टीमों ने आइसोलेट कराया।

जय के तीनों भाइयों ने कोर्ट में किया सरेंडर

कानपुर (एजेसी) कुख्यात बदमाश विकास दुबे के करीबी जय बाजपेई के तीनों भाइयों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। हालांकि तीनों पहले से ही वकीलों के सम्पर्क में थे। दोपहर में उनके आत्मसमर्पण के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया। कोर्ट की मंजूरी के आधे घंटे बाद ही तीनों ने समर्पण कर दिया। तीनों के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर एक्त के तहत कार्रवाई की है। इन तीनों की गिरफ्तारी पर डीआईजी ने 25–25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया था। से ऑर्डर लेकर उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई को अमल में लाती।

बताया जा रहा है कि तीनों भाइयों के चेहरे पर कोर्ट में प्रस्तुत होने के दौरान भी कोई शिकन नहीं थी।

मगर, जब जय का छोटा भ. ाई शोभित बाजपेई कोर्ट रूम से बाहर निकला तो चिल्लाने लगा। वह कह रहा था कि हम लोगों ने कुछ नहीं किया। हमारा किसी मामले से कुछ लेना देना नहीं। सुनवाई पूरी होने के बाद पुलिस ने

पुलिस ने तीनों भाइयों के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई शुरू की थी।

तीनों के घर के बाहर मुनादी बजवाने के साथ ही कुर्की की उद्घोषणा का नोटिस चस्पा किया गया था।

इसके एक महीने में अगर तीनों हाजिर नहीं होते तब पुलिस कोर्ट उन्हें पुलिस वैन में डाला और जेल के लिए रवाना हो गई। बिकरू कांड के बाद जब विकास दुबे का एनकाउंटर हुआ उसके बाद पुलिस ने जय बाजपेई को जेल भेजा था।

उस पर घटना में विकास की मदद करने और उसे असलहा मुहैया कराने का आरोप है।

अमेठी के एक गांव में दलित का जला हुआ मिला शव

अमेठी (एजेसी)। अमेठी के गांव मजरे बस्ती देई में शनिवार सुबह एक अधेड़ उम्र दलित व्यक्ति का शव जली हुई अवस्था में पाया गया।

इसकी जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक दया राम सरोज ने बताया कि राम प्रसाद पुत्र नंकू सरोज का शव गांव के निकट आधी जली हुई अवस्था में मिला।

हालांकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामे के बाद परीक्षण के लिए भेज दिया है। एएसपी ने बतायां।

कि परिवार ने कुछ लोगों को नामजद करते हुए हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस जांच में लगी है तथा परीक्षण रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही तस्वीर साफ हो पायेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच गंभीरता से कर रही है।

जल शक्ति मंत्री बलदेव सिंह हुए कोरोना संक्रमित

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के जल शक्ति मंत्री बलदेव सिंह औलख में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। बलदेव सिंह औलख ने खुद यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया कि "कोविड–19 के प्रारम्भिक लक्षण दिखने पर आज मैंने टेस्ट करवाया जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉक्टर्स की सलाह से मैंने खुद को घर पर आइसोलेट कर लिया है। मेरा निवेदन है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया अपनी जांच करवा लें।"

बता दें कि अब तक राज्य सरकार के 12 से अधिक मंत्री कोविड–19 की चपेट में आ चुके हैं और दो मंत्रियों कमल रानी वरूण और चेतन चौहान की संक्रमण से मौत हो चुकी है।

जालसाजी में शामिल अफसर अजय यादव हुए गिरफ्तार

लखनऊ (एजेसी)। लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र के सेक्टर 14 स्थित बरौली क्रॉसिंग के पास बुधवार को दिन दहाड़े गोरखपुर के हिस्ट्रीशीटर दुर्गेश यादव की हत्या कर दी गई थी।

इस मामले की जांच कर रही पीजीआई थाने की पुलिस ने सेक्शन अफसर अजय यादव को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस को अजय यादव के कमरे से 120 नौकरी संबंधी दस्तावेज, 3 ट्रॉली बैग फर्जी कागज समेत बड़ी मात्रा में बेरोजगारों को लजाल में फंसाने के दस्तावेज मिले, जिसमें ज्वानिंग लेटर, सचिवालय की मोहरें, सर्विस बुक समेत तमाम सामान था। उसके कमरे में ऐसो आराम के भी सभी संसाधन मौजूद थे, जिन चार जालसाजों को पुलिस ने इस मामले में पहले गिरफ्तार किया उनके भी अजय से जालसाजी के मामलों में गहरे नाते थे।

बता दें कि दुर्गेश यादव की हत्या की जांच करने जब पुलिस पहुंची तो उनकी आंखें खुली रह गई। दरअसल, जिस मकान में दुर्गेश रहता था वो सचिवालय के एक समीक्षा अधिकारी का था और कमरे में हर जगह खून बिखरा था।

इससे साफ हो रहा था कि दुर्गेश और आरोपियों में मारपीट हुई थी। सचिवालय से जुड़े हुए भी कई कागजात और मुहर पुलिस को मौके से मिली थी। पुलिस ने जब गहनता से छानबीन की तो पता चला कि मारा गया दुर्गेश यादव गोरखपुर के उरुवा बाजार थाने का हिस्ट्रीशीटर था, जिसके खिलाफ लूट, रंगदारी, फर्जीवाड़े के 8 मुकदमे गोरखपुर में दर्ज थे।

पुलिस के मुताबिक ये पूरा मामला फर्जी मार्कशीटों के जरिए सरकारी नौकरी के नाम पर ठगने वाले गिरोह से जुड़ा हो सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पितृ पक्ष के बाद शुरू होगा श्रीराम मंदिर की नींव का काम, 1200 स्थानों पर कुंए की तरह पाइलिंग कर बनेगी चट्टान

अयोध्या (एजेसी)। पितृ पक्ष के बाद ही अयोध्या में राम मंदिर की नींव का निर्माण शुरु किया जाएगा। रामजन्मभूमि में विरा. जमान रामलला के मंदिर निर्माण के लिए नींव डालने से पहले मानचित्र में दर्शाए गए आच्छादित क्षेत्रफल जो कि करीब 13 हजार वर्ग मीटर है, के सौ फिट नीचे तक 12 सौ स्थानों पर कुंए की तरह पाइलिंग कर चट्टान की आध ाारशिला तैयार की जाएगी। इसके ऊपर निर्धारित ड्राइंग के अनुसार नींव खड़ी जाएगी। इसके बाद ही मूल मंदिर के धरातल का निर्माण किया जाएगा।

इस कार्य को शुरु करने के लिए कार्यदाई संस्था एलएण्डटी ने विशेष प्रकार के मशीनों को पहले ही मुम्बई से मंगा लिया है। कुछ अभी हैदराबाद, आंध्र प्रदेश से आनी है। फिलहाल कार्य आरम्भ करने के लिए पितृ पक्ष के खत्म होने का इंतजार किया जा रहा है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती चातुर्मास की समाप्ति के उपरांत शुक्रवार

को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम जन्मभूमि में विराजमान रामलला का दर्शन– पूजन किया। इससे पहले उन्होंने कारसेवकपुरम में जाकर ट्रस्ट महासचिव चंपत राय से भेंट की।

इस मौके पर उनके साथ आए कई शिष्यों ने राम मंदिर निर्माण के लिए अलग–अलग चेक के माध्यम से अपनी सहयोग राशि भेंट की। कुल राशि की जानकारी नहीं दी गई।

बताया गया कि चातुर्मास के संकल्प के कारण शंकराचार्य पांच अगस्त को भूमि पूजन में शामिल नहीं हो सके थे।

इसके कारण वह अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद यहां आए। उन्होंने राम मंदिर का मानचित्र स्वीकृत हो जाने पर बधाई देते हुए कहा कि रामलला का कार्य एक–एक कदम आगे बढ़ रहा है और वह समय भी आएगा जब रामभक्तों का सपना साकार हो जाएगा।

स्वामी अड़गड़ानंद कोरोना से संक्रमित, पीएम मोदी ने फोन कर ली स्वास्थ्य की जानकारी

वाराणसी (एजेसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस से संक्रमित मिर्जापुर के शक्तेशगढ़ आश्रम के स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का शुक्रवार को फोन पर हाल चाल जाना। स्वामी अड़गड़ानंद को कोविड–19 का पता चलने के बाद वाराणसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके कोरोना संक्रमित होने की खबर सुनकर पीएम नरेंद्र मोदी ने फोनकर उनका हालचाल जाना और स्थानीय प्रशासन को उनकी समुचित देखभाल के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पीएम नरेंद्र मोदी स्वामी अड़गड़ानंद के प्रति काफी श्रद्धाभाव रखते हैं। पीएम मोदी के साथ ही उनकी माता जी भी स्वामी जी के प्रति गहरी श्रद्धा रखती हैं।

आश्रम से जुड़े रामप्रसाद पांडेय बाबा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामी अड़गड़ानंद को फोन कर उनका हाल चाल लिया। स्वामी अड़गड़ानंद महाराज को तेज बुखार आने के बाद इलाज के लिए वाराणसी के एपेक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के चेयरमैन एसके सिंह ने बताया कि स्वामी अड़गड़ानंद की जांच रिपोर्ट में कोविड–19 की पुष्टि हुई है।

पीएम मोदी ने स्वामी अड़गड़ानंद के शिष्य आशीष महाराज के फोन पर स्वामी अड़गड़ानंद जी से बातचीत की। पीएम मोदी ने पूछा कि आपकी तबीयत कैसी है और कितने दिन

से संक्रमित हैं। स्वामी अड़गड़ानंद ने बताया कि वह तीन दिनों से संक्रमित हैं। पीएम ने ऑक्सीजन का स्तर भी पूछा, जिस पर उन्होंने बताया कि 90 के ऊपर है। प्रध ाानमंत्री ने महाराजजी से कहा आठवें व 10वें दिन थोड़ा असर ज्यादा दिखता है। आप घबराएं नहीं। जिला–प्रशासन को निर्देशित किया गया है और बेहतर से बेहतर चिकित्सा व्यवस्था कराई जाएगी, क्योंकि देश को आपके ज्ञान, संस्कार और प्रेरणा की अभी बहुत जरूरत है।

करीब तीन मिनट हुई बात. चीत में अड़गड़ानंद महाराज ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप जब सब देख रहे हैं तो वह निश्चिंत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आप देश के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इसके लिए आभार जताया। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि महाराज जी की तबीयत सुधार आ रहा है। पीएम मोदी से बातचीत के बाद जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा, सीएमओ वीबी सिंह और बीएचयू में एनेस्थेसिस्ट डॉ विक्रम ने अस्पताल में जाकर अगड़गड़ानंद महाराज के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

आजम खान की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में हुए कामों की होगी जांच

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री व समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खां की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

अखिलेश यादव राज में सम. ाजवादी पार्टी की सरकार में अल्पसंख्यक विभाग की ओर से करवाए गए कामों की जांच अब स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआ. ईटी) करेगी।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के काम में

हुए धन के दुरुपयोग मामले में एसआईटी जांच के निर्देश दिए हैं।

नंदी ने कहा कि एसपी सरकार में विभाग के मंत्री रहे आजम खां की सरपरस्ती में धांधलियां हुईं। विभाग में लूट–खसोट, मानकों का उल्लंघन, अनियमितता और भ्रष्टाचार चरम पर था। सरकारी धन का दुरुपयोग और शिथिलता बरतने वाले अफसरों और इंजिनियरों की पहचान कर परियोजना को पूरा करवाने वाले अतिरिक्त व्यय की वसूली उनके वेतन से की जाएगी। साथ ही, अनुशासनात्मक कार्रवाई भी करवाई जाएगी।

शुक्रवार को विभागीय समीक्षा बैठक में नंदी ने कहा कि 11वीं और 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम में पैसा मिलने के बाद भी काम नहीं करवाया गया।

उन्होंने कहा कि पूरी होने वाली सत्यापित परियोजनाओं में अल्पसंख्यक समुदाय के लाभार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं पर काम चल रहा है

उनमें गुणवत्तापूर्ण निर्माण तय समयसीमा के भीतर किया जाए। निर्माण कार्य का पर्यवेक्षण मंडल और शासन स्तर के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से किया जाए। नंदी ने कहा कि कोविड–19 के मद्देनजर अल्पसंख्यक बाहुल्य पिछड़े क्षेत्रों में ऐसी परियोजनाओं के नए प्रस्ताव प्राप्त किए जाएं जिनसे समाज के गरीब तबकों को ज्यादा से ज्यादा फायदा मिले। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों के पास काम कम है उन्हें अतिरिक्त दायित्व दिया जाए जिससे कार्य तेजी से हों।

बैठक में विभाग के निदेशक जेपी सिंह, संयुक्त निदेशक एसएन पांडेय और संयुक्त निदेशक आरपी सिंह मौजूद रहे।

दिल्ली–आगरा नेशनल हाईवे पर भरा पानी, लगा जाम

मथुरा (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया है। भारी जलजमाव के वजह से दिल्ली–आगरा नेशनल हाईवे पर लगा 3 किमी लंबा जाम लग गया है। हालांकि पुलिस प्रशासन गाड़ियों को धीरे–धीरे आगे बढ़कर जाम को खुलवाने की कोशिश कर रहे है, जिससे यातायात सामान्य हो सके। बताया जा रहा है कि अलवर पुल से लेकर जयगुरुदेव मंदिर तक जाम लगा हुआ है।

वहीं, भारी बरसात के कारण मथुरा की कॉलोनियों में पानी भरा हुआ है। झमाझम बरसात के चलते शहर के कई प्रमुख स्थ. ानों पर जलभराव हो गया जिससे

मथुरा नगरी को तालाब के रूप में बदल दिया।

वहीं मथुरा शहर के हृदय स्थल होली गेट पर बरसात के कारण दुकानदारों को भी काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। बरसात का पानी दुकानों में प्रवेश कर गया जहां दुकानदार अपने सामानों को बचाते नजर आए लेकिन कुछ दुकान ऐसी भी थी जिनमे तादात से ज्यादा पानी अंदर प्रवेश कर गया।

वहीं, लगातार हो रही बरसात को देख दुकानदार अपनी दुकानों व प्रतिष्ठानों को बंद कर चले गए लेकिन लगातर हुई बरसात से दुकानें पानी मे डूब गईं।

बता दें कि शहर के चंदनवन, माधवपुरी, मानसनगर प्रतापनगर, प्रकाश नगर हनुमान नगर जैसे इलाके जलभराव की चपेट में हैं। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव की समस्या यह नई नहीं है।

हर साल बरसात में यहां पानी भरता है। कई बार नगर निगम को इसकी शिकायत की गई है, मगर कोई एक्शन नहीं लिया गया।

उत्तरप्रदेश में अगले कुछ दिन बारिश के आसार नहीं, बढ़ेगी गर्मी

लखनऊ (एजेसी)। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में बारिश नहीं होने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वी यूपी, बुंदेलखंड, ब्रज क्षेत्र और रूहेलखंड कहीं भी बारिश की संभ. ावना दिखाई नहीं दे रही है। ऐसे में लोगों को तेज धूप का सामना करना पड़ेगा। जिसकी वजह से तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकेगी लेकिन ज्यादा परेशानी उमस के बढ़ने से होगी। दरअसल, पिछले दिनों बारिश होने के कारण वातावरण में नमी है। मौसम विभाग के अनुसार, 7 और 8 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी यूपी में कुछ बौछारों से ही काम चलाना पड़ेगा। अगले कुछ दिनों तक हल्की बूंदाबांदी के अलावा ज्यादा बारिश की गुंजाइश नहीं गुंजाइश नहीं है। यह जरूर है कि तमाम जिलों में धूप के बीच बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और इससे क्षणिक राहत मिलेगी।

बता दें कि शुक्रवार को प्रदेश में 3 शहरों को छोड़कर बाकी कहीं भी बारिश नहीं दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश आगरा में 15.4 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा रायबरेली में 11 मिलीमीटर जबकि हमीरपुर में 4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पूर्वांचल और तराई के जिलों में बारिश ना होने से लोगों को राहत मिली है। अब महज 14 जिले की बाढ़ की चपेट में हैं और 5 जिलों से बाढ़ की त्रासदी खत्म हो गई है।